जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, रविवार 21 सितम्बर, 2025

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी छोटी-छोटी प्राइस में

सिर्फ 4700/- Sq Ft

पजेशन पर 10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025

FIXED PRICE GUARANTEED

FIXED PRICE & RENTAL

NO MIDDLE-MEN

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

रियल एस्टेट में रियल रिटर्न्स

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अकेलापन कई बार अपने आप से सार्थक बातें करता है। वैसी सार्थकता भीड़ में या भीड़ के चिंतन में नहीं मिलती। –राजेंद्र अवस्थी

वनों की प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्राकृतिक जलवायु समाधान अपरिहार्य है

वन प्रतिरोधक क्षमता का तात्पर्य है कि वन किस हद तक प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभावों से उबर सकते हैं। यह क्षमता उन वनों को परिभाषित करती है जो संकटों का सामना कर पुनः अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति को बनाए रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है जैसे जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं। प्रतिरोधक क्षमता वाले उष्णकटिबंधीय वन वे हैं जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे तूफान, सूखा, आग आदि के बाद भी तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। इसके उदाहरण के रूप में अमेज़न वर्षावन को देखा जा सकता है जो कई दशकों से कई प्रकार के संकटों का सामना करते हुए भी अपने जैव विविधता को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। इन वनों की पहचान करने के लिए वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों का उपयोग करते हैं जैसे वनस्पति का घनत्व, प्रजातियों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता।

वन प्रतिरोधक क्षमता का महत्व कई कारणों से है। सबसे पहले, यह वन संरक्षण में सहायक होती है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण करने से अन्य वनों की तुलना में इनकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना आसान होता है। वन बहाली में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। प्रतिरोधक वनों का महत्व कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भी होता है। ये वन जल चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही, प्रतिरोधक वनों में फूलों और जीवों की विविधता अधिक होती है, जिससे जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलती है। कार्बन अवशोषण में भी प्रतिरोधक वनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये वन अधिक कार्बन को अवशोषित कर वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु समाधान के रूप में महत्वपूर्ण है।

स्थिरता की दृष्टि से भी प्रतिरोधक वन महत्वपूर्ण होते हैं। ये वन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण–पूर्व एशिया के वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। इसके अलावा, पर्यटन के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होती है। वे वन संरक्षण और बहाली में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

वनों और वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बचाना एक प्राकृतिक जलवायु समाधान है। ये वन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। इसलिए, इन वनों का संरक्षण और बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता, जिसे पारिस्थितिक प्रतिरोधक क्षमता के रूप में भी समझा जाता है, वन पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह वन पारिस्थितिकी तंत्र की उस क्षमता को दर्शाती है जो उसे प्राकृतिक और मानवजनित खतरों से उबरने में सक्षम बनाती है। जैसा कि पहले कहा गया है, इसमें तूफान, सूखा, आग, कीट संक्रमण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। प्रतिरोधक क्षमता के बिना, वन पारिस्थितिकी तंत्र इन खतरों के सामने अस्थिर हो सकते हैं और अपनी पारिस्थितिकीय कार्यक्षमताओं को खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न के वर्षावन जो कि विश्व के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है,ने कई प्राकृतिक और मानवजनित खतरों का सामना किया है। इसके बावजूद, अपनी जैव विविधता को संरक्षित रखा है और यही इसकी उच्च प्रतिरोधक क्षमता का संकेत है।

प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक मानदंडों का उपयोग किया जाता है। इनमें जैव विविधता, वनस्पति संरचना, और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं शामिल हैं। जैव विविधता प्रतिरोधक क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है क्योंकि विविध प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। वनस्पति संरचना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुसंगठित वन संरचना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन ने दिखाया कि उच्च जैव विविधता वाले वन सूखा के प्रभावों से तेजी से उबरते हैं।

अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

प्रतिरोधक वनों का संरक्षण वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्थायित्व को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संरक्षण न केवल जैव विविधता को बनाए रखता है बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बनाए रखता है जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। वन बहाली के संदर्भ में, प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और ये तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की बात करते हैं। एक उदाहरण के रूप में, मध्य अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में वन बहाली परियोजनाओं ने दिखाया है कि उच्च प्रतिरोधकता वाले वन तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं और अधिक कार्बन का अवशोषण करते हैं।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय वनों में कार्बन संग्रहण की क्षमता उच्च होती है, विशेषकर जब वे उच्च जैव विविधता वाले होते हैं। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

स्थानीय समुदायों की आजीविका के संदर्भ में भी प्रतिरोधक वनों का महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल, और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण–पूर्व एशिया के वनों में रहने वाले समुदाय अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, पर्यटन भी इन वनों से जुड़ा हुआ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण स्थानीय समुदायों को स्थायी आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय वन संरक्षण और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाना महत्वपूर्ण है ताकि लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में सक्रिय भाग ले सकें।

अंत में, उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व कोसमझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो वन पारिस्थितिक तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता का महत्व न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी है। जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रतिरोधक क्षमता के मुख्य घटक हैं। उष्णकटिबंधीय वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और नीतियों के माध्यम से हम उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

वन प्रतिरोधक क्षमता उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिक तंत्र में विनाशकारी परिवर्तनों से बचाव कर सकती है। परिवर्तन सामान्य है, लेकिन यह अचानक और कठोर विपरीत स्थिति में परिवर्तित हो सकता है। हालांकि विभिन्न घटनाएँ ऐसे परिवर्तनों को उत्प्रेरित कर सकती हैं, अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अब तो पक्की है राजस्थानी भाषा को मान्यता

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिए जाने का मन जापान की धरती पर प्रधानमंत्री ने बना लिया होगा। राजस्थानी संस्कृति एवं भाषा की झलक पिछले दिनों प्रधानमंत्री कि जापान यात्रा के दौरान खुद उन्होंने देखी। प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान स्थानीय कलाकारों ने प्रधानमंत्री के सामने, प्रधानमंत्री के आग्रह पर जब प्रस्तुति दी तो संभवत हमारे प्रधानमंत्री को यह अहसास हो गया होगा कि भारतीय भाषाओं में राजस्थानी भाषा का फलक कितना बड़ा है। राजस्थानी भाषा दुनिया के लगभग सभी देशों में बोली और समझी जाने के अतिरिक्त वहां की संस्कृति में स्थान बना चुकी है।

आधुनिक काल में राजस्थानी भाषा– संस्कृति की गूंज सीमाओं के पार सुनाई और स्पष्ट दिखाई देती हैं।

राजस्थानी भाषा के लिए हमारा वह दावा उस समय सच साबित हो गया। दुनिया–भर में बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली और समझने वाली राजस्थानी भाषा को लगभग 12 करोड लोग बोलते हैं। जिसे प्रधानमंत्री ने अपने स्वागत के दौरान खुद देख लिया। संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी भाषा को शामिल करने के लिए अब प्रधानमंत्री को किसी फाइल अथवा साक्ष्य की जरूरत नहीं होनी चाहिए। विदेशी धरती पर जापानी कलाकारों ने जब स्वागत प्रारंभ किया और कलाकारों ने खुद को राजस्थानी मधु के नाम से परिचित कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया तब प्रधानमंत्री ने खुद उनसे पूछा कि क्या आप गा सकती हैं तो उन्होंने यह कहा कि हम राजस्थानी लोकगीत सुना सकते हैं, तो स्थानीय कलाकारो ने राजस्थानी लोक गीत सुनाया। भक्ति रस से डुबे जब प्रधानमंत्री के कानों में यह सुनाई दिया की "म्हारा सतगुरु आंगन आया रे मैं वारी जाऊं रे" राजस्थानी परंपरा में मेहमान कि भगवान से तुलना को जीवंत किया। यह गीत राजस्थान में इस गीत के माध्यम से अतिथि के घर आने से उन्हें देव तुल्य मानकर स्वागत सत्कार किया जाता है। और इस भावना को इस गीत में जापान की भूमि पर स्थानीय कलाकारों ने प्रधानमंत्री के स्वागत में गाया।

सात समंदर पार भी मीठी और अपनत्व की राजस्थानी भाषा भारत का डंका बजा रही है । उन जापानी कलाकारों को जब यह पता चलेगा कि जिस भाषा को हम बोल रहे हैं, उन लोकगीतों के माध्यम से हम आय अर्जित करते हैं उस भाषा को भारत में भी मान्यता नहीं है।

सच तो यह है की राजस्थान में कभी राज–काज की भाषा भी राजस्थानी रही है। आजादी के समय राजस्थानी भाषा ने अपना बलिदान देकर हिंदी के हित की बात की थी। भाषाएं लुप्त ना हो, भाषाएं लुप्त होती है तो संस्कृति बिगड़ जाती है। राजस्थानी भाषा और संस्कृति बहुत ही समर्थ भाषा रही है और आज भी हैं। राजस्थान के लगभग सभी विश्वविद्यालयों और सैकड़ो विद्यालयों में राजस्थानी पढ़ाई जाती हैं। दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा पढ़ाई जाती है। हिंदुस्तान के प्रत्येक राज्य और हर जिले में राजस्थानी बोलने वाला परिवार मिल जाएगा। राजस्थानी अब क्षेत्र विशेष की भाषा नहीं रही बल्कि पूरे हिंदुस्तान के साथ–साथ अब तो विश्व के प्रत्येक देश में आपका स्वागत सत्कार के लिए तैयार खड़ी है। मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री से आग्रह करूंगा की राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु अध्यादेश जारी करावे।

मैं प्रधानमंत्री जी से आग्रह करता हूं कि आपको भ्रम में रखा जा रहा है और यह मिथ्या बात फैलाई जाती है कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता से हिंदी कमजोर होगी एवं अन्य प्रांतीय भाषाओं को मान्यता मिल जाती है तो हिंदी कमजोर होती जाएगी। जबकि आपने जापान में जो देखा, जापानी कलाकारों ने राजस्थानी भाषा और संस्कृति को कितना समद्ध किया है। राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलती है तो हिंदी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री देश–विदेश में करोड़ों लोग राजस्थानी को प्यार करते हैं । विदेशी धरती पर भी आपने देख लिया सुन लिया मुझे लगता है कि अब जाचने परखने की कतई जरूरत नहीं है, राजस्थानी जैसी जुनी भाषा को मान्यता नहीं देने का कोई तर्कसंगत मुद्दा सरकार या अन्य भाषाओं की वकालत करने वालों के पास बचा नहीं है। राजस्थानी भाषा हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। देश को आज़ादी दिलाने में राजस्थानी भाषा के रचनाकारो का महत्वपूर्ण योगदान रेखांकित किया गया है। 1857 की क्रांति में राजस्थानी कवियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। हम बात करें तो मरुस्थल के कवि शंकरदान सामौर ने राजस्थानी रचनाओं के माध्यम से अंग्रेजों को खुली चुनौती दी थी। ऐसे अनेक रचनाकार हुए हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में राजस्थानी कविताओं, गीतों और राजस्थानी भाषा के दोहो के माध्यम से आजादी की लड़ाई में अद्वितीय योगदान दिया था। भारत को आजाद कराने में राजस्थानी भाषा के महत्वपूर्ण योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने हेतु शंकर दान सामौर जैसे क्रांतिकारी कवि सामौर 1857 में तन–मन–धन से शामिल होते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवा राजस्थानी कवि इस संघर्ष को वह पूरी तरह समझने लगे थे। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 1857 में उन्होंने कहा था कि यह अवसर बहुत महत्वपूर्ण है, देशवासियों को संबोधित करते हुए सामौर कहा कि यह अवसर छूट न जाए। भारत की आजादी के लिए अगर यह मौका छूट गया तो फिर से इस आंदोलन को खड़ा करना उतना ही मुश्किल होगा जैसे एक बार हिरण कूदने से छूट जाता है फिर संतुलन वापस नहीं आ सकता। **उन्होंने लिखा था:–**

"आयौ औसर आज, गरब गौरां रौ गाळण
आयौ औसर आज, रीत राखण हिंदवाणी
आयौ औसर आज, विकट रण खाग बजाणी
फाळ हिरण चूक्यां फटक, पाछौ फाळ न पावसी
आजाद हिन्द करवा अवर, औसर इस्यौ न आवसी।"

राजस्थानी भाषा का विपुल साहित्य है और इसका अपना शब्दकोश और विपुल मात्रा में समर्थ परंपरा के अनेक उदाहरण राजस्थानी भाषा की परंपरा में मिलेंगे।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद–साहित्यकार

कामाख्या मंदिर: जहां सबकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है

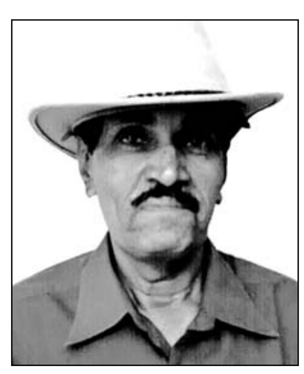

मिश्रीलाल पंवार

असम के गुवाहाटी शहर के पास नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या माता मंदिर आज भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में अपनी विशेषताओं के प्रसिद्ध पहुंचा। भारत के इक्यावन शक्ति पीठों में शामिल इस मन्दिर पर आने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

हाल ही में राजस्थान के पत्रकारों का एक दल यहां मन्दिर के दर्शन को पहुंचा तथा इस शक्ति पीठ के आसपास के स्थलों का जायजा लिया। कामाख्या माता का यह मंदिर भारत में अपने आप में अनुठा मन्दिर है। यहां पर योनि की पूजा अर्चना की जाती है। यहां प्रतिदिन हजारों लाखों की संख्या में माता के भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं। कहते हैं यहां माता आने वाले अपने सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती है। इस मन्दिर के पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। इसका उल्लेख शास्त्रों में मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह 51 शक्ति पीठों में से एक है, जहाँ माँ सती की योनि का भाग गिरा था। कामाख्या मन्दिर इक्यावन शक्ति पीठों में से एक है, जो माता सती की योनि रूप की पूजा के लिए जाना जाता है। यह मंदिर गुवाहाटी शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में माँ सती की योनि रूप की पूजा की जाती है।

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार राजा दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। उस यज्ञ में उन्होंने सभी देवी देवताओं को बुलाया मगर अपनी पुत्री सती और दामाद भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। माता सती ने विचार किया कि मेरे पिताजी यज्ञ का इतना बड़ा आयोजन कर रहे हैं। सभी देवी देवताओं का आगमन होगा। उसका तो अपना पीहर है। इसलिए उसे यज्ञ में जरूर जाना चाहिए। भगवान शिव को माता सती ने मन की बात बताई तो भगवान शिव ने सती को पिता के इस यज्ञ में जाने से मना कर दिया। मगर भगवान शिव के मना करने के बाद भी माता सती उस यज्ञ में शामिल होने अपने पिता के यहां चली गई। वहां उनके पिता दक्ष ने बहुत अपमान किया। भगवान शिव के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग किया। यह अपमान माता सती सह न सकी और उन्होंने अग्नि कुंड में कूदकर आत्मदाह कर लिया।

जब यह बात भगवान शिव को पता चली तो वे क्रोधित हो गए। वह सती के मृत शरीर को उठाकर तांडव करने लगें। इससे धरती पर हाहाकार मच गया। पृथ्वी पर महाप्रलय की स्थिति बन गई। देवी–देवताओं में हड़कंप मच गया। किसी की भी समझ में नहीं आया कि भगवान शिव को कैसे शान्त किया जाए। सब ने मिल कर भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि हे नाथ, किसी भी प्रकार से उस सृष्टि की रक्षा कीजिए। इस पर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से मां सती के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। माना जाता है कि धरती पर जहां–जहां माता सती के शरीर के टुकड़े गिरे, वहां वहां शक्तिपीठ स्थापना हो गई। इस प्रकार भारत में माता सती के कुल 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई।मान्यता है कि माता सती की योनी असम के नीलांचल पहाड़ी पर गिरी थी। माता के शरीर के अंग भारत के अलग–अलग स्थानों पर गिरे और वे सभी स्थल शक्ति पीठ के रूप में पूजे गए। चुंकि माता सती की यहां योनि गिरी थी, इसलिए इस मन्दिर पर योनि की पूजा की जाती है। यह मन्दिर अपनी इसी विशेषता के कारण भारत में ही नहीं, विश्व भर में प्रख्यात है। यहां हर वर्ष अंबुबाची मेला लगता है। मेले के दौरान, देवी अपने मासिक चक्र में होती हैं और इस अवधि में मंदिर बंद रहता है। तीन दिनों के बाद, एक सफेद कपड़ा जो गर्भगृह में बिछाया जाता है, लाल रंग का हो जाता है, जिसे भक्तों को प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

कामाख्या मंदिर में दस महाविद्याओं के मंदिर एक ही परिसर में विराजमान हैं। पुरानी मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर तांत्रिक साधना का केंद्र रहा है। काले जादू को दूर करने के लिए की जाने वाली पूजा के लिए भी जाना जाता है। यहां दूर–दूर से भक्तजन दर्शन करने पहुंचते हैं। यहां के वार्षिक अंबुबाची मेले में स्त्री प्रजनन ऊर्जा का उत्सव मनाया जाता है। मंदिर के गर्भगृह में एक कुंड है, जिसमें से जल रिसाव होता है और मासिक धर्म के दौरान यह कुंड ढक दिया जाता है, और भक्तों को लाल कपड़े (अंबूवाची वस्त्र) प्रसाद के रूप में दिए जाते हैं। गोवाहाटी में ब्रह्मपुत्र के नदी के किनारे स्थित कामख्या शक्ति पीठ स्थल काला जादू के तांत्रिकों के आश्रय स्थल के रूप में भी पहचाना जाता है। यह तंत्र साधना का केंद्र है। अंधविश्वासी लोग अपनी मनौती पूरी होने पर पांडा, बकरा तथा कबूतर की यहां बलि देते हैं। आजकल यहां भी पैसे लेकर वीआईपी दर्शन कराने का कारोबार भी खूब फल–फूल रहा है। सामान्य दर्शन के लिए लंबी–लंबी कतारें लगती है। गोवाहाटी भारत के हर शहर से रेलमार्ग से जुड़ा है। इसलिए यहां पहुंचना बहुत ही सुविधाजनक हो गया है।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नेत्रहीन विष्णुराम के लिये रोशनी की किरण लेकर आया "ग्रामीण सेवा शिविर"

विष्णुराम को 20 वर्ष के बाद मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र मिले

- **घुमन्तू पहचान प्रमाण पत्र और घुमन्तु आवास योजना का भी लाभ मिला**
- **सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना से लाभान्वित करवाने का आश्वासन भी मिला**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों की भांति श्रीगंगानगर जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में हाथों–हाथ आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है।

घडसाना उपखण्ड की तहसील रावला के 7 केएनडी गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर नेत्रहीन विष्णुराम के लिये रोशनी की किरण साबित हुआ। ग्राम पंचायत 7 केएनडी निवासी विष्णुराम गत 20 वर्षों से आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित था। उनके पड़ोसी भगवान ने जब उन्हें ग्रामीण सेवा शिविर के बारे में बताया तो विष्णुराम अपनी पत्नी तीजो देवी के साथ शिविर में अपनी फरियाद लेकर पहुंचा। इसी दौरान ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे उपखण्ड अधिकारी सुनील चौहान ने विष्णुराम को देखकर उनसे जानकारी ली। इस पर विष्णुराम ने अपनी व्यथा बताते हुए मदद का आग्रह किया। उपखण्ड अधिकारी ने तुरन्त प्रभाव से संबंधित विभागों से आवश्यक कार्यवाही करते हुए विष्णुराम को मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, घुमन्तू पहचान पत्र और घुमन्तु आवास योजना आवेदन का लाभ दिलाया। साथ ही उपखण्ड अधिकारी ने विष्णुराम को दीपावली से पूर्व सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना से लाभान्वित करवाने का आश्वासन भी दिया।

शिविर में एक साथ केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाकर विष्णुराम और उनकी पत्नी तीजो देवी गदगद हो उठी। दोनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। बेहद प्रसन्नता व्यक्त करने हुए दम्पत्ती ने माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार नागौर जिले की खींवसर पंचायत समिति की पीपलिया ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में माधानियों की ढाणी निवासी हरीराम पुत्र गंगाराम जाट ने तहसीलदार सुरेश चौधरी के समक्ष उपस्थित होकर खातेदारी में अपने अशुद्ध नाम हरिया को लेकर पीड़ा व्यक्त की। तहसीलदार ने तुरंत प्रार्थी का प्रार्थना पत्र राजस्थान भू राजस्व अधिनियम– 1956 की धारा 136 के तहत पटवारी, भू अभिलेख निरीक्षक द्वारा तैयार करवाया और शुद्धि संबंधी औपचारिकता पूर्ण की गई। इस नाम शुद्धिकरण से खातेदार हरीराम को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त करने में आसानी होगी। राजस्व दस्तावेजों में नाम शुद्धि होने पर खातेदार ने खुशी व्यक्त की और राज्य सरकार तथा प्रशासन का आभार जताया।

श्रीगंगानगर से पीआरओ अनिल कुमार शाक्य और नागौर से एपीआरओ अजीत सिंह।

राशिफल रविवार 21 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रातः 9:32 तक, शुभ योग सायं 7:53 तक, चतुष्पद करण दिन 12:50 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:58 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–तुला, बुध–कन्या, गुरू–मिथुन, शुक्र–सिंह, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 9:32 से सूर्योदय तक है। आज देव पितृकार्य अमावस्या, सर्व पितृ श्राद्ध, सिंजा माता पूजन है। आज पितृपक्ष पूर्ण होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:44 से 9:19 तक, लाभ–अमृत 9:19 से 12:10 तक, शुभ 1:50 से 3:21 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:12

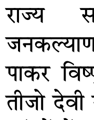

मेष
व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न दुःख हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

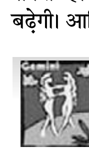

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

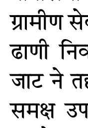

सिंह
मानसिक तनाव दूर होने लगेंगे। मनःस्थिति में सुधार होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्यों में भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

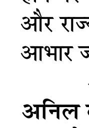

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

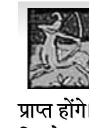

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं रहेगा।

मीन
परिवार में चल रही स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 | वर्षः 20 | संख्याः 165 | प्रभात | जालोर, रविवार 21 सितम्बर, 2025 | पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स पर सर्विस टैरिफ का भारी चपत धरा

पहले एच-1बी वीज़ा की एप्लीकेशन पर 1700 से 4500 डॉलर की फीस लगती थी, जो बढ़ाकर 100,000 डॉलर प्रति आवेदक हो गई, जो हर वर्ष लगेगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स के अमेरिका जाकर काम करने पर सेवाओं के निर्यात शुल्क में 2250 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है।

अब तक, एच-1बी वीज़ा की आवेदन फीस प्रति आवेदन 1700 डॉलर से 4500 डॉलर होती थी। अब इसे बढ़ाकर प्रति आवेदक प्रति वर्ष 100,000 डॉलर कर दिया गया है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा है कि कंपनियों को यह तय करना होगा कि क्या वे इतना दाम देकर किसी विदेशी कर्मचारी को नौकरी पर रखना चाहेंगी या किसी शिक्षित अमेरिकी को नौकरी देंगी।

- अमेरिका के कॉमर्स सैक्रेटरी हारवर्ड लुटनिक ने इस नये सर्विस टैरिफ लगाने को सही ठहराते हुए तर्क दिया कि अब अमेरिकी कंपनियों को यह निर्णय लेना होगा कि इतनी भारी फीस देकर भारतीय आईटी प्रोफैशनल को रखना चाहिए या उनकी जगह किसी शिक्षित अमेरिकी नागरिक को नौकरी देना, ज्यादा अच्छा रहेगा।
- जैसा कि विदित ही है, एच-1बी वीज़ा उन विदेशी कर्मचारियों के लिए लेना अनिवार्य होता था जो अमेरिका के नागरिक नहीं थे। पर, अमेरिका में एच-1बी वीज़ा लेकर नौकरी कर रहे थे।
- अमेरिका के एच-1बी वीज़ा के कोटा का लगभग 70 प्रतिशत भारतीय प्रोफैशल्स के काम आता था, अब जानी मानी आईटी कंपनियां, जैसे टी.सी.एस., विप्रो, टैक महिन्द्रा, इन्फोसिस आदि को नई रणनीति बनानी होगी और प्रोफैशनल्स को विदेश भेजने का विकल्प छोड़कर भारत की भूमि पर काम करने की सुविधा प्रदान करनी होगी।
- तथा, अब भारत को भी जवाबी कार्यवाही करते हुए अमेरिका से आयातित सामान पर जवाबी टैरिफ लगाना होगा। बोइंग हवाई जहाज की जगह फ्रांस के एयरबस विमान को खरीदने का ऑर्डर देना होगा।

रिपोर्टों के अनुसार, नया शुल्क 21 सितंबर से लागू होगा। इस तरह तत्काल प्रभाव से लागू होने के कारण यह कदम उस टैक्नॉलजी क्षेत्र में भारी उथल-पुथल मचा सकता है जो मुख्य रूप से इस सुविधा का उपयोग करता है। इनके अलावा, अमेरिकी स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय और स्टार्टअप भी सीधे तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चपरासी भर्ती परीक्षा में नकल करने पर इंजीनियर छात्र गिरफ्तार

जयपुर, 20 सितम्बर। अशोक नगर थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से कराई जा रही राजस्थान ग्रेड फोर्थ (चपरासी) भर्ती परीक्षा की पहली पारी में परीक्षा में नकल करते एक इंजीनियर छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभ्यर्थी स्मार्ट वॉच से चीटिंग कर रहा था। वॉट्सऐप के जरिए उसने क्वश्चन पेपर को परीक्षा

- आरोपी रवि अंडर गारमेंट में छिपाकर स्मार्ट वॉच परीक्षा केन्द्र में ले गया था तथा उसके माध्यम से नकल कर रहा था।

सेंटर से बाहर भेजा था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर नकल में प्रयुक्त स्मार्ट वॉच और वॉट्सऐप के जरिए पेपर भेजने वाले मोबाइल को जब्त कर लिया है।

अशोक नगर थानाधिकारी किशन कुमार ने बताया कि आरोपी रवि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप का एच-1बी वीज़ा के आदेश का कानूनी पक्ष बहुत कमज़ोर है

अमेरिका के राष्ट्रपति को, वीज़ा की एप्लीकेशन को प्रोसैस करने पर आयी लागत की भरपायी के लिए, फीस लगाने का वाजिब अधिकार है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 100,000 डॉलर (लगभग 83 लाख रूपये) फीस लगाने की घोषणा ने विश्व स्तर पर टैक्नॉलजी सैक्टर में हलचल मचा दी है। यह फीस मौजूदा कुछ सौ डॉलर की पंजीकरण फीस से कई गुना अधिक है। इस निर्णय ने न केवल राजनीतिक बहस को हवा दी है, बल्कि कानूनी चुनौतियाँ भी पैदा कर दी हैं और उन शीर्ष अमेरिकी कंपनियों को भी चिंतित कर दिया है, जो कुशल विदेशी प्रतिभा पर निर्भर हैं।

- पर, वॉशिंगटन के इमिग्रेशन मामलों के जाने माने वकील के अनुसार, अगर आवेदन पर लगाई गई फीस, खर्च से कहीं ज्यादा है तथा फीस लगाने का मकसद दण्डात्मक है, जिससे विदेशी प्रोफैशनल्स का अमेरिका आना रोका जा सकेगा, तो न्यायालय राष्ट्रपति के इस आदेश को रद्द कर सकते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इस बढ़े शुल्क को अमेरिकी नौकरियों की रक्षा और कंपनियों पर अधिक घरेलू कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए दबाव बनाने के अपने एजेंडा का हिस्सा बताया है।

वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि यह कदम सुनिश्चित करेगा कि केवल "बेहद कौशल" वाले लोग ही एच-1बी वीज़ा के लिए पात्र हों और इससे सस्ते विदेशी श्रमिकों पर निर्भरता घटेगी।

लेकिन पूरे अमेरिका के कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश कानूनी रूप से कमज़ोर है। "इमिग्रेशन एंड नैशनलिटी एक्ट" (आईएनए) के तहत, अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएस सिटीज़नशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज़-यूएससीआईएस) को वीज़ा प्रक्रिया की लागत वसूलने के लिए शुल्क निर्धारित करने का अधिकार है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि जहाँ लागत की वसूली एक वैध कानूनी अधिकार है, वहीं लागत वसूली के नाम पर 100,000 डॉलर का शुल्क वास्तविक प्रशासनिक खर्च से कहीं बहुत अधिक है।

वॉशिंगटन के एक इमिग्रेशन वकील ने कहा, "इतना ज्यादा शुल्क, लागत वसूली कम, बल्कि बाहरी लोगों को आने से रोकना ज्यादा लगता है। यह आदेश वैधानिक अधिकारों से परे जाकर दिया गया आदेश सिद्ध हो सकता है।"

विश्लेषकों को उम्मीद है कि इस आदेश को "एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट" (एपीए) के तहत चुनौती दी जाएगी, जो सरकारी नियमों के तर्कसंगत, प्रमाण-आधारित और प्रक्रियात्मक रूप से उचित होने की मांग करता है। अगर अदालतों को यह शुल्क मनमाना, अनुपातहीन या लागत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी को मो. सादिक के 20 खातों में करोड़ों रुपये का लेन-देन मिला

बीकानेर में तलाशी में ईडी को विदेशी धन, हथियारों की तस्करी, जबरन धर्म परिवर्तन के प्रमाण मिले

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की कार्रवाई में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच एजेंसी ने अमीर मो. सादिक के 20 बैंक खातों को खंगाला। इनमें करोड़ों के लेन-देन के सबूत मिले हैं। सादिक 6 से ज्यादा विदेश यात्राएं भी कर चुका है। आरोप है कि सादिक ने बांग्लादेश के एक एनजीओ की आर्थिक मदद भी की थी। विदेशों से भी फंडिंग की जानकारी मिली है।

ईडी को को शक है कि सादिक के आतंकी कनेक्शन भी हैं और इसको लेकर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। ईडी ने 17 सितंबर को धोबीतलाई की गली नंबर 2 स्थित मोहम्मद सादिक, फड़ बाजार में पठानों की मस्जिद वाली गली में असगर अली, सुभाषपुरा में कांग्रेस के पूर्व पार्षद जावेद और मुक्ताप्रसाद नगर में साबिर के घर सहित, कुल छः ठिकानों की तलाशी ली थी।

- ईडी की जांच के अनुसार कोई वैध व पर्याप्त आय नहीं होने के बावजूद सादिक ने कई देशों की यात्रा की व लम्बे समय तक इन देशों में रहा। बांग्लादेश के एक एनजीओ को वित्तीय सहायता देने के साक्ष्य भी मिले।

बताया जाता है कि असगर अली, जावेद और साबिर, सादिक के करीबी हैं। मोहम्मद सादिक बीकानेर में जमीयत अहले हदीस (जेएएच) नाम का एनजीओ चलाता है। सादिक अलफुरकान एजुकेशनल ट्रस्ट का अध्यक्ष भी था और मस्जिद-ए-आयशा ट्रस्ट की भी देखरेख करता था। सादिक के इन ट्रस्टों सहित, करीब 20 बैंक खातों में करोड़ों रूपए होने और लेनदेन का इनपुट मिला है।

ईडी को सादिक के खिलाफ हवाला कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग की जानकारी मिली थी। ईडी को तलाशी अभियान के दौरान जुटाए सबूतों से संदिग्ध माध्यमों से विदेशी धन जुटाने, हथियारों की तस्करी, भड़काऊ सामग्री का प्रचार-प्रसार, जबरन धर्म परिवर्तन, व्यक्तिगत तथा वैचारिक लाभ के लिए धार्मिक संस्थाओं का दुरुपयोग आदि के प्रमाण मिले हैं।

ईडी के पास जानकारी थी कि सादिक गैरकानूनी धर्मान्तरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में शामिल रहा है। इसके चलते जयपुर से ईडी की टीम ने सर्च अभियान चलाया था। ईडी की जांच में सामने आया कि जमा राशि का स्रोत सादिक ने स्पष्ट नहीं किया है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में ई-सिगरेट पर पूर्ण पाबंदी लागू करें

जयपुर, 20 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में ई-सिगरेट की बिक्री को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई जानी चाहिए। वहीं, इसके लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी तैयार करने के

- हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव व डीजीपी को 2019 में बने कानून के प्रावधानों को लागू करने के निर्देश दिये।

लिए कहा है। खंडपीठ ने इस संबंध में साल 2019 में बनाए कानून के प्रावधानों को लागू करवाने के लिए मुख्य सचिव व डीजीपी को भी दिशा-निर्देश दिए हैं। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश प्रियांशा गुप्ता की पीआईएल पर दिए। अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वे विभिन्न रेंज हैड क्वार्टर का प्रतिनिधित्व करने वाले अफसरों की एक टीम बनाएं, जो कानून

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर सेंट्रल जेल से फरार हुए दो कैदियों में से एक पकड़ा गया

रात साढ़े तीन बजे 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हुए थे अनस व नवल किशोर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 20 सितम्बर। जयपुर सेंट्रल जेल से शनिवार सुबह दो कैदी पुलिस सुरक्षा को धता बताते हुए, 27 फीट ऊंची दीवार कूदकर फरार हो गए। शनिवार अलसुबह 3:30 बजे ये कैदी अनस और नवल किशोर पानी के पाइप के सहारे दीवार पर चढ़े और उसी पाइप से लटककर नीचे कूदकर भागे थे, परंतु पुलिसकर्मियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। शनिवार सुबह बंदियों की गिनती के समय जैसे ही जेल कर्मचारियों को दो कैदियों के फरार होने की जानकारी मिली तो जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

इसके बाद उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो इस पूरे घटनाक्रम सामने आया। हालांकि पुलिस ने इन दोनों कैदियों में से एक बदमाश अनस को पकड़ लिया है, परंतु दूसरा कैदी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है, जिसकी धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की

- दूसरा कैदी नवल किशोर अभी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। सात जेल प्रहरी निलंबित किये गये। फरारी में जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत होने का शक किया जा रहा है।

जा रही है। इस घटना के बाद जयपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था और जेल प्रशासन की लापरवाही भी उजागर हो गई है। इस मामले में जेल प्रशासन ने 7 जेल प्रहरियों को निलंबित कर दिया है। अब पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। जेल की सुरक्षा व्यवस्था की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि फरारी में जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत हो सकती हैं,जैसा कि पिछले मामलों में सामने आया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल (एडीजी) रुपिंदर सिंह ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल से कैदी अनस कुमार (28) और नवलकिशोर महावर (32) फरार हुए हैं। आरोपी अनस यूपी के तालावाली बगिया फिरोजाबाद का रहने वाला है और नवल किशोर महावर इब्राहिमपुर थाना नई मंडी हिंडौन सिटी करौली का रहने वाला है। दोनों कैदी जेल के बाथरूम से निकलकर दीवार पर चढ़ कर फरार हुए हैं। दोनों बंदी इसी सप्ताह जेल में आए थे। बंदी अनस सांगानेर से चोरी के मामले में 15 सितंबर को जेल में पहुंचा था,जबकि बंदी नवल किशोर मालपुरा से चोरी के मामले में 17 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल पहुंचा था और दोनो ही 13 नंबर बैरक में बंद थे। पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी अनस को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से बचकर भागने के दौरान उसके सिर पर चोट लग गई है। वहीं, दूसरे कैदी नवल किशोर की अभी तलाश की जा रही है। जेल प्रशासन ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। जिसकी भी लापरवाही पाई जाएगी, उस पर कड़ा एक्शन होगा।

जयपुर सेंट्रल जेल से दो कैदी फरार होने की इस घटना के बाद जेल प्रशासन ने 7 जेल प्रहरियों को निलंबित किया है। शुरुआती जांच में इनकी लापरवाही सामने आयी है। इनमें दो मुख्य जेल प्रहरी भी शामिल हैं। डीजी जेल गोविंद गुप्ता के अनुमोदन पर एडीजी जेल रूपिंदर सिंह ने मुख्य जेल प्रहरी रेखा लखेरा, प्रहरी अनिता जाजोरिया, मनोज कुमार मीणा , धर्मवीर गुर्जर , रतन सिंह राठौड़, मनोज वर्मा और माया जाट को निलंबित कर दिया। इसके अलावा 13वीं बटालियन आरएसी (जेल सुरक्षा) के कांस्टेबल ताराचंद,अशोक कुमार और सुभाष चंद को भी निलंबित कर दिया गया है।

शुक्रवार-शनिवार की रात्रिकालीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभिनेता मोहनलाल को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

नयी दिल्ली 20 सितंबर। मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल को भारतीय सिनेमा में अमूल्य योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मलयालम फिल्मों के सुपर स्टार मोहनलाल को सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान करने की घोषणा की।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल में उद्योग को दिये जा रहे "इन्सैन्टिव" बैकडेट से खत्म किये गए

एक बार फिर बंगाल से उद्योगों का पलायन शुरु हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। तीन दशकों की औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं को पूर्व प्रभाव (पिछली तारीख) से समाप्त कर पश्चिम बंगाल सरकार ने निवेशकों के विश्वास को तोड़ दिया है और अपनी ही अर्थव्यवस्था को कमज़ोर कर दिया है, साथ ही पूँजी निवेश के प्रति शत्रुता का संदेश भी दिया है। इसकी वजह से एक और औद्योगिक पलायन की लहर उठ सकती है,जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ सकता है।

आर्थिक और वित्तीय दृष्टिकोण से बिल्कुल असंगत इस फैसले में पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी औद्योगिक प्रोत्साहनों को रद्द कर दिया है, वह भी पूर्व प्रभाव के साथ।

"पश्चिम बंगाल प्रोत्साहन योजनाओं और अनुदान स्वरूप दायित्वों की निरस्तीकरण विधेयक, 2025", जो 2 अप्रैल को अधिसूचित हुआ था, उसने 1993 से अब तक दिए गए सभी प्रोत्साहनों को रद्द कर दिया है और यह प्रभाव उन योजनाओं की प्रारंभ तिथि से लागू होगा। इस पूर्व-प्रभावी कार्यान्वयन का मतलब है कि पश्चिम बंगाल प्रोत्साहन योजनाएं (1993-2021) और अन्य सहायता उपायों के तहत मिले लाभ अब अमान्य माने जाएंगे।

अब कई बड़े उद्योगपतियों ने इस कानून को कोलकाता उच्च न्यायालय में चुनौती दी है तथा इसे "संविधान विरोधी" करार दिया गया है। उद्योग जगत इसे "विश्वासघात" की संज्ञा दे रहा है और यह सरकार व उद्योगों के बीच पहले से मौजूद अविश्वास की खाई को और गहरा करता है।

डालमिया और बिड़ला समूह का अनुमान है कि इस निर्णय से उन्हें संयुक्त रूप से 430 करोड़ का नुकसान हुआ है, जबकि अन्य कंपनियां अभी नुकसान का आकलन कर रही हैं। वे सभी औद्योगिक इकाइयाँ, जिन्होंने अपने निवेश, विस्तार और वित्तीय योजनाएं इस आधार पर बनाई कि उन्हें सरकार से वादे के अनुसार प्रोत्साहन मिलेंगे, अब उन्हें सीधे आर्थिक नुकसान और योजना में व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है।

- तृणमूल सरकार द्वारा छः महीने पहले लिए गए इस नीतिगत फैसले का असर अब साफ दिखने लगा। 6,000 कंपनियां, जिनमें 110 लिस्टेड कंपनियां भी शामिल हैं, ने अपना कारोबार बंगाल से बाहर शिफ्ट करना शुरु कर दिया।
- इकॉनमिस्ट भी तृणमूल सरकार के इस आदेश का कारण समझ नहीं पा रहे, क्योंकि अब तो स्थापित सोच है कि औद्योगिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग को इन्सैन्टिव देना काफी लाभदायक होता है। अमेरिका की एक स्टडी के अनुसार, कैपिटल इण्डस्ट्रियल इन्सैन्टिव पर खर्च किया गया एक रूपया, दो रूपये का लाभ पहुँचाता है। उद्योगों को।
- चीन में की गई एक अन्य स्टडी के अनुसार, जिन कंपनियों में सब्सिडी का इन्सैन्टिव किया गया, उनका उत्पाद 61.3 प्रतिशत ज्यादा था बनिस्पत उन इण्डस्ट्री के, जिन्हें सब्सिडी का लाभ नहीं दिया गया था।

पश्चिम बंगाल का उद्योगों से टकराव कोई नया नहीं है। राज्य ने 35 वर्षों तक वामपंथी शासन देखा, जिसके बाद सत्ता तृणमूल कांग्रेस के हाथ में गई।

वामपंथी विचारधारा के अनुसार, कॉरपोरेट घरानों को "शोषक वर्ग" का हिस्सा माना गया और उन्हें सहयोग नहीं दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का कथन है कि "पूंजीपति वर्ग शत्रु है, जिससे किसी सहानुभूति की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

हड़तालें, यूनियनवाद और हिंसा वामपंथी शासन में आम थीं। साथ ही उद्योगों पर हमले, आगज़नी और श्रमिक उग्रता भी काफी ज्यादा थी। परिणामस्वरूप, कई उद्योगों ने राज्य छोड़ दिया, सिंघानिया दिल्ली चले गए, बिड़ला मुंबई और जो राज्य कभी भारत का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक राज्य था, वह पतन की ओर चला गया।

वामपंथियों की जगह जब ममता बनर्जी की अगुआई में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो उम्मीद जगी थी। लेकिन सिंगूर में टाटा मोटर्स के खिलाफ आंदोलन, जिसने अंततः कंपनी को राज्य से बाहर कर दिया, ने ममता की उद्योग विरोधी छवि बना दी। विडंबना यह रही कि सिंगूर संयंत्र की शुरुआत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समुद्र में देश की पहली सुरंग का निर्माण पूरा

नयी दिल्ली, 20 सितम्बर। रेलवे ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के घनसोली और शिलफाटा में किये गये सुरंग निर्माण को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा है कि यह देश की पहली परियोजना है जिसके तहत समुद्र के नीचे सुरंग का निर्माण किया गया है।

- मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजैक्ट के तहत घनसोली और शिलफाटा के बीच यह सुरंग बनाई गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना में की यह भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीएम मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में माही बांसवाड़ा न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट समेत कई विकास योजनाओं का शिलान्यास करेंगे

बांसवाड़ा/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 25 सितंबर को बांसवाड़ा के नापला में प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत माही बांसवाड़ा न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट समेत कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इस आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं नापला पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग क्षेत्र सहित पूरे आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं और कार्यक्रम में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंच, डोम, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा के नापला में तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीना, मुख्य सचिव सुधांश पंत, डीजीपी राजीव शर्मा मौजूद रहे।

■ मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग क्षेत्र सहित पूरे आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा प्रदेश के लिए ऐतिहासिक रहेगा। माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र राजस्थान की ऊर्जा क्षमता को नई ऊंचाई देगा और यह प्रोजेक्ट ऊर्जा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीना, शंकरलाल डेचा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, शिखर अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पत्नी पर शक के चलते रिश्तेदार युवक की चाकू से हमला कर हत्या

■ ससुराल पहुंचकर पति ने पत्नी, युवक व सास पर चाकू से हमला किया, घायल महिला व उसकी मां का उपचार अस्पताल में चल रहा है

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में शनिवार को पति ने अपने ससुराल कोटा आकर पत्नी व उसके रिश्तेदार साथी युवक व अपनी सास पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में घायल हुए युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई एवं घायल महिला व उसकी मां का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार पूरे घटनाक्रम के पीछे मामला सामने आया है कि हमलावर पति अपनी पत्नी के ऊपर शक करता था, और उसको रिश्तेदार युवक का घर में आना-जाना भी पसंद नहीं था। हमले की सूचना पाकर बोरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर ही एफएसएल, एमओबी व अन्य टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाये गये। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि इलाके के मंडीपाडा निवासी रेखा रानी कुशवाह की शादी अंता के नागदा गांव निवासी चंद्रप्रकाश कुशवाहा के साथ हुई थी। दोनों पति-पत्नी के बीच कोई कहासुनी को लेकर अनबन हो गई और महिला अपने पीहर मंडीपाडा में अपनी मां के पास रहने लगी। थानाधिकारी ने बताया कि चंद्रप्रकाश कुशवाह शनिवार को अपने ससुराल अपनी पत्नी रेखा रानी से मिलने के लिये आया था, घर में उसकी पत्नी के मौसी का पोता दीपक कुशवाह मौजूद था। थानाधिकारी ने बताया कि चन्द्रप्रकाश अपनी पत्नी के ऊपर शक करता था जिसके चलते उसने पत्नी रेखा रानी कुशवाह (30) दीपक (32) पर अचानक से चाकू से हमला कर दिया, शोर सुनकर रेखा रानी की मां रूकमणी (62) बीच बचाव के लिये आई तो चन्द्रप्रकाश ने अपनी सास के ऊपर पर भी चाकू से हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे, हमले में घायल तीनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां घायल दीपक कुशवाह की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दस हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

■ आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को दो किलोमीटर तक खेतों में दौड़ाना पड़ा

जोधपुर, (कासं)। जिले की बिलाड़ा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में फरार चल रहे दस हजार के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। वह चार साल से फरार था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को दो किलोमीटर तक खेतों में दौड़ाना पड़ा।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलाड़ा पुलिस ने खुडाला झंवर निवासी बुधाराम को गिरफ्तार किया है। वह चार साल से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ बिलाड़ा में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण था। एसपी भोपाल सिंह के सुपरविजन में जिला विषेष टीम के प्रभारी श्रवणकुमार भंवरिया मय टीम द्वारा कांस्टेबल देवीलाल की सूचना पर पुलिस टीम वांछित अपराधी की दस्तयाबी के लिए दबिश दी गई। वह पुलिस को देखकर खेतों में भाग गया, तब दो किलोमीटर तक पीछा कर आखिरकार पकड़ा गया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी ने खेतों में बीज उत्पादन घोटाला पकड़ा

■ कागजों में ग्वार और मूंग का बीज उत्पादन दिखाने वाली कंपनियों के खेतों में मौके पर नरमा (कपास) की फसल पाई गई

■ किसानों की शिकायत पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में खेतों का निरीक्षण किया

जयपुर/हनुमानगढ़। किसानों की शिकायत पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शनिवार को श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में खेतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बीज उत्पादन को लेकर बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। कागजों में ग्वार और मूंग का बीज उत्पादन दिखाने वाली कंपनियों के खेतों में मौके पर नरमा (कपास) की फसल पाई गई। मंत्री ने इसे किसानों के साथ खुला धोखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दुगुनी आय' योजना पर सीधा हमला बताया।

निरीक्षण के दौरान पियाली नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड, कृभको और जयशंकर सीड्स जैसी कंपनियों के दस्तावेजों और जमीनी स्थिति में भारी अंतर सामने आया। कहीं ग्वार के नाम पर मूंग और नरमा की फसल लगी मिली, तो कहीं जिस किसान के नाम पर फसल दिखाई गई, वह उस गांव का ही नहीं निकला। एक खेत में तो किसान रामस्वरूप ने साफ कहा कि कंपनी ने उसके बेटे के नाम पर समझौता दिखाया, जबकि उसका ऐसा कोई बेटा है ही नहीं।

कृषि मंत्री ने बताया कि यह पूरा खेल कागजों में बीज उत्पादन दिखाने, अनाज की मंडी से सस्ता अनाज खरीदकर उसे प्रोसेस कर सर्टिफाइड बीज के नाम पर महंगे दामों में बेचने का है। कंपनियां 40-50 रुपए किलो में अनाज खरीदती हैं और फिर उसे नीले टैग के साथ 700-800 रुपए किलो में किसानों को बेच देती है। इससे न केवल किसानों को नुकसान होता है, बल्कि सरकारी सब्सिडी का भी दुरुपयोग होता है। डॉ. मीणा ने कहा कि इस घोटाले में कई सरकारी संस्थाएं भी शामिल हैं, जिनमें एनआईएल, कृभको, इफको, आरएसएससी, एनएससी, नैफेड आदि के नाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि बीज प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में भी लापरवाही सामने आई है, जिसके तहत फर्जी फसल पर भी प्रमाणन टैग जारी कर दिए गए। शनिवार को कृषि मंत्री ने बीज उत्पादन से जुड़ी करीब 20 फाइलों की जांच की, जिनमें गंभीर गड़बड़ियां पाई गईं। उन्होंने बताया कि रविवार को 50 और फाइलों की जांच होगी और सैकड़ों लंबित फाइलों की भी विस्तृत जांच की जाएगी। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और अमानक बीज उत्पादन व वितरण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। डॉ. मीणा ने साफ कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज मिलना उनका हक है और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बीज के नाम पर अब कोई किसान ठगा न जाए।

लोकतंत्र में अभद्रता का कोई स्थान नहीं है : शेखावत

■ जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत की। दिल्ली से आगमन के कुछ ही समय बाद शेखावत ने कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और संयमित भाषा के उपयोग पर जोर दिया। शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र में अभद्रता का कोई स्थान नहीं है। बाबा साहेब अंबेडकर ने जो संविधान रचा, उसमें इस तरह की भाषा को कोई मान्यता नहीं दी गई। महात्मा गांधी ने भी सदा संयम और मर्यादित वाणी का संदेश दिया है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो नेता बाबा साहेब और गांधीजी की शपथ लेकर राजनीति में आते हैं, वही जब असभ्य भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह चिंता का विषय है। लगता है कि यह संस्कार उन्हें वर्तमान पीढ़ी के नेताओं से मिले हैं।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष सलीम खान की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल पर शेखावत ने कहा कि हमारे संस्कार अभद्र भाषा का प्रतिकार करने की अनुमति नहीं देते, लेकिन कांग्रेस को आत्मावलोकन की जरूरत है। अगर वह समय रहते आत्मचिंतन नहीं करती, तो जनता चुनाव में इसका जवाब जरूर देगी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुपारस भंडारी का नाम लेकर उनकी प्रशंसा की। शेखावत ने कहा कि भंडारी ने गलत को स्वीकार कर क्षमा मांगने की बात कही, यह एक स्वस्थ लोकतांत्रिक संकेत है। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि दिल्ली में राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत हुई है। यह देश के संकल्पों और युवाओं के सपनों की जीत है।

महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 28 को

अजमेर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का 28 सितम्बर प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर होगी। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का 28 सितम्बर को सुबह 10 से 11:30 बजे तक प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। ग्रुप प्रथम में कक्षा 6 से 8, ग्रुप द्वितीय में कक्षा 9 से 12 और ग्रुप तीन में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल होंगे। सचिव शर्मा ने बताया कि स्कूल के प्रधान तथा महाविद्यालय के प्राचार्य आवेदन करते समय उपयोग की गई यूजर आईडी एवं पासवर्ड से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर हार्ड कापी निकाल लें।

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16101 दिनांक 18.09.2025

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 105/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 34.61 लाख

UBN Number DLB2526WSOB18864

आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/10616

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16101 दिनांक 18.09.2025

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 105/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 34.61 लाख

UBN Number DLB2526WSOB18864

आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/10616

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.

Office Telephone No. 01561-240245, E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक :/न.पा.ता./2025-26/3235-39 दिनांक :-17.09.2025

ई-निविदा सूचना 07/2025-26

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका तारानगर द्वारा स्वीकृत कार्य ऑनलाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका, राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदको से टेण्डर के माध्यम से दिंनाक 19.09.2025 से दिंनाक 03.10.2025 को निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

NIB CODE	UBN NO.
DLB2526A6133	DLB2526WSOB18921
	DLB2526WSOB18923
	DLB2526WSOB18929
	DLB2526WSOB18934

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

राज.संवाद/सी/25/10592

आर्मी जवान को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

■ सिर के ऊपर से निकला टायर, दोस्त गंभीर घायल, सात दिन पहले छुट्टी पर आए थे

नोखा, (निसं)। यहां छुट्टी पर घर आए आर्मी जवान की हादसे में मौत हो गई। दोस्त के साथ होटल पर खाना खाने जाते समय जवान की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसा देर रात करीब 11 बजे हुआ चरकड़ा के पास हुआ।

एसआई सुरेश भादू ने बताया कि माडिया गांव निवासी सीताराम बिश्नोई (28) साल 2014 में सेना में भर्ती हुए थे। वे आर्मी की 19 पंजाब यूनिट में सिक्किम में चाइना बॉर्डर पर गंगटोक में पोस्टेड थे। 7 दिन पहले छुट्टी पर घर आए थे। रात को वह बीकासर निवासी अपने दोस्त मनीष के साथ बाइक पर चरकड़ा के पास एक होटल पर खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। वाहन का टायर जवान सीताराम के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं मनीष को गंभीर चोट आई है। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को नोखा के जिला अस्पताल लाए, जहां से मनीष को बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं जवान सीताराम के शव को मोचरी में रखवा दिया। एसआई ने बताया कि पुलिस ने सेना और परिजनों को सूचना दी। सेना के अधिकारियों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

मुआवजा नहीं मिलने से किसानों में नाराजगी

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ में बारिश के चलते फसलें बर्बाद होने के बावजूद शहर के किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिलने से नाराजगी प्रकट की। सरवाड़ पटवार हल्का क्षेत्र के किसानों ने बताया कि खरीफ फसल वर्ष 2024 में अतिवृष्टि होने के बावजूद किसानों के खाते में अनुदान नहीं आने से किसानों में रोष देखने को मिल रहा है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र के कई बार पटवारी अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद उनकी लापरवाही के चलते किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिलने से संकट पैदा हो गया। वहीं इस वर्ष भी बारिश ने कई फसलों को बर्बाद कर दिया, जिसके चलते पशुपालन संकट हो गया। वहीं दो दिन हुई बारिश के बाद खेतों में पानी भरने से कटी हुई फसलें नष्ट हो गई जिससे किसानों पर दुख का संकट पैदा हो गया।

पिकअप व ऑटो की भिड़ंत में एक युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-सिद्धमुख सड़क पर स्थित गांव किशनपुरा के नजदीक शुक्रवार व शनिवार की देर रात्रि हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप और ऑटो की हुई जबरदस्त भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल होने के साथ-साथ ऑटो चालक घायल हो गया। युवक बीकानेर से परीक्षा देकर तथा ऑटो किराए पर कर अपने गांव जा रहे थे।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सुमित कुमार निवासी किशनपुरा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि गांव किशनपुरा निवासी अमित अपने साथियों मनफूल, सोनू सिंह के साथ 19 सितंबर को परीक्षा देकर रात्रि के समय टेंपो से सादुलपुर से अपने गांव लौट रहे थे। रात करीब 11.35 बजे बामणों वाले कुण्ड के पास सामने से आ रही पिकअप के चालक ने तेज गति व लापरवाही से गलत साइड में वाहन चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो दो हिस्सों में बंट गया। हादसे में किशनपुरा निवासी अमित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनफूल को गंभीर चोटों के चलते पहले शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे हिसार रेफर किया गया। सोनू सिंह को पहले राजगढ़ और फिर चूरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुनील को हल्की चोटें आई और उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ऑटो चालक अब्दुल रफीक भी घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया तथा मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी टीचर ने छात्रा से छेड़छाड़ का प्रयास किया

■ एक महीने से परेशान करने का आरोप, पॉक्सो में केस दर्ज

अनूपगढ़, (निसं)। यहां एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घड़साना पुलिस थाने में पीड़िता और उसके परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सरकारी स्कूल में कक्षा 7 में पढ़ने वाली 12 वर्षीय छात्रा के साथ टीचर जयपाल मीणा ने अश्लील हरकतें की। आरोपी शिक्षक पिछले एक महीने से छात्रा को गलत नीयत से छू रहा था। छात्रा घर पहुंची, तो वह डरी और सहमी हुई थी। शुरुआत में उसने कुछ नहीं बताया। मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। छात्रा ने बताया कि शिक्षक ने उसे किसी को नहीं बताने की धमकी भी दी थी। एसएचओ महावीर प्रसाद बिश्नोई ने बताया कि आरोपी शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभासिन शक्ति सूर्यवो:

एडी. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005

Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)

नयापुरा पॉवर हाउस, छावनी रोड, कोटा- 324001, दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066, ईमेल :- zcekz@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

जयपुर डिस्कॉम के क्षेत्राधिकार में निम्न कार्य हेतु दो भागो में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है:- बूंदी वृत्त में सहायक अभियंता (पवस), जेपीडी, लाखेरी के अधीन मेसर्स उतराना लिफ्ट सिंचाई परियोजना, सहायक अभियंता, जल संसाधन विभाग, बूंदी के पक्ष में टीएन-37/2025-26 के अंतर्गत नया 845 एचपी (सीडी 630 केवीए) एचटी-एलआईपी कनेक्शन जारी करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00428), झालावाड़ वृत्त में टीएन-38/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियता (पवस), जेपीडी, सारोला कलां के अधीन परवन परियोजना के कनेक्शन जारी करने के लिए मौजूदा 33/11 केवी सबस्टेशन मालनवासा से पंपिंग स्टेशन-1 (सारोला कलां) तक 7 किलोमीटर 11 केवी लाइन के निर्माण कार्य हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00429), कोटा वृत्त में टीएन-39/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियंता (पवस) जेपीडी, दीगोद के अधीन अधीशाषी अभियंता, जल संसाधन परवन परियोजना, खसरा न0 149 एवं 150 डंगावद (हरिपुरा), दीगोद के पक्ष में CL 3600 KW तथा CD 4000 KVA क्षमता का नया एचटी-एलआईपी कनेक्शन जारी करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00430) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 23.09.2025 से डाउनलोड कर सकते है। टीएन-37 व टीएन-38 के लिए निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 29.09.2025 को सांय 05:00 बजे तक व टीएन-39 के लिए दिनांक 06.10.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10620 जेपीआर - 3060 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

स्कार्पियो गाड़ी से 10 लाख रूपये का डोडा पोस्ट एवं नौ जिंदा कारतूस बरामद

■ सड़क पर खड़ी लावारिस स्कार्पियो एन में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा होने की सूचना पर कार्रवाई की

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर स्कार्पियो गाड़ी से सवा क्विंटल अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त एवं नौ जिन्दा कारतूस बरामद किये हैं। जब्त अवैध मादक पदाथ डोडा-पोस्त की अनुमानित बाजार कीमत करीब 10 लाख रूपये बताई गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, आरपीएस एवं वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा सज्जन सिंह आर.पी.एस के निकटतम सुपरविजन में थाना अधिकारी पुलिस थाना बिजयनगर मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्कार्पियो एन से 125.510 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त व नौ बारह बोर गन के नौ जिन्दा कारतूस बरामद किये है। गौरतलब है कि 19 सितम्बर को पुलिस थाना बिजयनगर पर विशेष सूत्र से सूचना मिली कि हनुतियां माताजी मन्दिर रोड बिजयनगर पर एक सफेद रंग की स्कार्पियो एन लावारिस खड़ी है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हो सकता है, जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हनुतियां माताजी मन्दिर रोड पहुंचे, जहां पर सूचना अनुसार एक स्कोर्पियो एन खड़ी मिली, जिसके वाहन चालक की आस-आस तलाश की गई तो वाहन चालक फरार हो चुका था, जिससे गाड़ी संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गयी तो गाड़ी के अन्दर सात कट्टों मे डोडा-पोस्त भरा मिला, जिनका वजन किया गया तो कुल 125.51 किलोग्राम हुआ। गाड़ी के अन्दर बारह बोर गन के नौ जिंदा कारतूस मिले जिनको जब्त कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम में इन्द्र सिंह स.उ.नि. थाना प्रभारी बिजयनगर गोपीराम हैड कानि. और कांस्टेबल नीरज कुमार, बलवीर सिंह आदि थे।

पुलिस ने स्कार्पियो गाड़ी से सवा क्विंटल डोडा-पोस्त बरामद किया।

अफीम दूध के साथ एक गिरफ्तार : जोधपुर में जिला ग्रामीण की स्पेशल टीम ने अवैध अफीम के दूध के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। उसके पास से पुलिस ने दो किलो 70 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद किया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को घेरा डालना पड़ा। कार्रवाई में खेड़ापा पुलिस भी साथ रही।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए डीएसटी व पुलिस थाना खेड़ापा ने संयुक्त कार्रवाई कर अफीम तस्कर खेड़ापा के अरनियानाडा निवासी सुरेश पुत्र रमेशराम बिश्नोई को पकड़ा है। विशेष अभियान के तहत एसपी भोपाल सिंह लखावत के निकट सुपरविजन एवं उपाधीक्षक भूराराम खिलेरी के निर्देशन में जिला विशेष टीम के कांस्टेबल राकेश नेहरा की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। कस्बा बावड़ी में खेड़ापा थानाधिकारी लाखाराम, डीएसटी प्रभारी श्रवण कुमार भंवरिया के नेतृत्व में अणवाणा तिराहा के पास एचपी पेट्रोल पम्प के सामने संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी कर नाम-पता पूछा तो अपना नाम सुरेश पुत्र रमेशराम विश्नोई होना बताया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक : एफ( )/निविदा/2025-26/1854-1858 दिनांक 18.09.2025

NOTCE INVITING BID
NIT NO 24-28/ 2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Jalore and Sanchore of estimated Value INR 1259.58 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 08-10-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-24/2025-25	Sub Surface Beriour, Nadi, Anicut, Khadin and Rooftop Tanka (Ahore)	WSC2526A0736	WSC2526WSRC01278
NIT-25/2025-25	Sub Surface Beriour, Nadi, Anicut, Sunken Pond, Khadin with pakka weist wear, Farm Pond, Tanka with Agor and Rooftop Tanka (Ahore)	WSC2526A0738	WSC2526WSRC01280
NIT-26/2025-25	Tanka and Farm Pond Nirman (Sanchore)	WSC2526A0739	WSC2526WSRC01281
NIT-27/2025-25	Anicut/Pakka check Dam, Farm Pond, Khadin, Amritsarovar, Mini Parcolation Tank, Parcolation Tank, Earthen Check Dam, Sunken Pond and Recharge Shaft (Jaswantpura)	WSC2526A0740	WSC2526WSRC01282
NIT-28/2025-25	Anicut/Pakka check Dam, Farm Pond, Khadin, Amritsarovar, Mini Parcolation Tank, Parcolation Tank, Earthen Check Dam, Sunken Pond and Recharge Shaft (Chitalwana)	WSC2526A0741	WSC2526WSRC01284

(Laxman Singh Sandu)
SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD, JALORE
DDO CODE NO. 28606

Raj.Samwad/C/25/10621

गांधी हमारे लिए सिर्फ एक चित्र नहीं, बल्कि विचार हैं : सचिन पायलट

सचिन पायलट प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' का विमोचन किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है। वे गांधी को अडॉप्ट करने की बात करते हैं, जिससे यह साफ़ झलकता है कि वे अब तक गांधी को प्रेम नहीं करते थे और केवल सुविधा पड़ने पर ही गांधी का सहारा लेते हैं। हमारे लिए गांधी एक विचार हैं, एक दृष्टि हैं, एक सोच हैं। जबकि उनके लिए गांधी सलेक्टिव पिकिंग का साधन हैं। खादी, चरखा और सफाई तक तो उन्हें गांधी याद आते हैं, लेकिन गांधी जी की क़ौमी एकता और सर्वधर्म समभाव की बात उन्हें असहज कर देती है। इतना ही नहीं, उनमें गांधी जी के प्रिय भजन ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान गाने की भी हिम्मत नहीं है। सचिन पायलट शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' के विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि नरेश दाधीच के लिए गांधी केवल एक विषय नहीं, बल्कि उनका जुनून हैं। वे गांधी के विशुद्ध प्रेमी हैं और गांधी पर उनका गहरा अध्ययन है। वे लगातार गांधी की प्रासंगिकता पर लिखते रहे हैं और आज की नौजवान पीढ़ी को गांधी से जोड़ने के उनके प्रयास सराहनीय हैं।

पायलट ने कहा कि गांधी किसी व्यक्ति या दल की संपत्ति नहीं हैं। उन्होंने विचारधारा से ऊपर उठकर एक मज़बूत राष्ट्र का सपना देखा। जनता उनके शब्दों को इसलिए स्वीकार करती थी क्योंकि उनके व्यक्तित्व में नैतिक बल था, विश्वास था। उन्होंने कभी जनता का भरोसा नहीं तोड़ा और उनका एकमात्र हित देश की भलाई में निहित था। बिना युद्ध लड़े देश को आज़ादी दिलाना, ये गांधी की शक्ति थी। राजनीति में विश्वास सबसे बड़ी ताक़त है। यह वह संपत्ति है जिसे अर्जित करने में वर्षों लगते हैं, और यह किसी बाज़ार में बिकने वाली वस्तु नहीं है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' का विमोचन किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी तथा पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच समेत कई लोग मौजूद थे।

- **पायलट ने कहा कि ''कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है।''**
- **वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि ''सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते है।''**

उन्होंने आगे कहा कि आज गांधी को प्रासंगिक बनाना सबसे बड़ी ज़रूरत है। नौजवान पीढ़ी में गांधी के प्रति जिज्ञासा पैदा करना अनिवार्य है। इस पीढ़ी के पास लंबी किताबें पढ़ने का धैर्य नहीं है, इसलिए यह संक्षिप्त जीवनी उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने लोकतंत्र और सत्ता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता के मोह से लोकतंत्र की मज़बूती नहीं होती। स्वयं के बारे में बोलते हुए पायलट ने कहा कि राजनीति उनके लिए समाज में सकारात्मक बदलाव और सेवा का माध्यम है।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते हैं। नीरजा चौधरी ने कहा कि उनके मन में सवाल था कि गांधी की मृत्यु के अठत्तर साल बाद एक राजनीति विज्ञानी ने यह किताब क्यों लिखी, और इसका जवाब लेखक ने स्वयं दिया कि यह पुस्तक जनरेशन जी को ध्यान में रखकर लिखी गई है। गांधी का जीवन सुबह से लेकर शाम तक अनुशासित और प्रतिबद्धता से भरा हुआ था। आज की पीढ़ी के लिए गांधी के मूल्यों को फिर से प्रासंगिक बनाना आवश्यक है, और यह किताब उस दिशा में एक नई बहस को जन्म देगी।

पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच ने स्वागत भाषण में कहा कि सचिन पायलट भविष्य के नहीं, बल्कि वर्तमान के नेता हैं। वे पिछले पच्चीस वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं। वे अथक परिश्रमी, ज़मीन से जुड़े और संयमित वक्ता है।

अपनी पुस्तक पर बोलते हुए दाधीच ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी गांधी से विमुख होती जा रही है, जबकि गांधी ने अपने अधिकांश आंदोलन युवाओं की शक्ति से चलाए थे। स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युवाओं के सबसे बड़े नेता थे, फिर आज क्यों नहीं? इसी प्रश्न ने उन्हें यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। आज का युवा बदलाव चाहता है और अन्याय का विरोध करना उसकी प्रवृत्ति है। गांधी ने यही सिखाया कि अन्याय का विरोध अहिंसा से किया जाए। पूरी दुनिया आज गांधी को अन्याय के विरोध का प्रतीक मानती है। ज़रूरत है कि युवा पीढ़ी के सामने गांधी को उसी रूप में प्रस्तुत किया जाए जैसे वे वास्तव में थे। गांधी ने अपनी भूलों को स्वीकार किया, और यह वही कर सकता है जिसका दिल और दिमाग बड़ा हो।

शहरी निकाय के चुनाव टालना उचित नहीं, चुनाव कराने के लिए उठाए जरूरी कदम : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी। नगर पालिकाओं के चुनाव में अनुचित देरी की स्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए जरूरी हो जाता है कि वह मामले में हस्तक्षेप करे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करने के लिए जरूरी उपाय करे।

इसके साथ ही अदालत ने उचित कार्रवाई के लिए आदेश का कॉपी मुख्य सचिव, राज्य भारतीय निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी है। वहीं अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश उर्मिला अग्रवाल व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

- **अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी।**

याचिकाओं में अधिवक्ता जीएस गौतम सहित अन्य वकीलों ने कहा कि याचिकाकर्ता जनवरी, 2020 में अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में सरपंच बने थे। वहीं जून, 2021 में स्वायत्त शासन विभाग ने कुछ ग्राम पंचायतों को शहरी निकाय में शामिल कर लिया और चुने हुए याचिकाकर्ताओं को सरपंच और उप सरपंचों को शहरी निकाय में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बना दिया। याचिका में कहा गया कि गत 22 जनवरी को राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि उनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है और उनके स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी को प्रशासक लगा दिया, जबकि कई अन्य ग्राम पंचायतों में कार्यकाल पूरा होने के बाद भी सरपंचों को प्रशासक लगा रखा है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को हटाकर उनके साथ भेदभाव किया गया है। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता अदालत से अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर बने रहने के लिए आदेश जारी करने की गुहार कर रहे हैं।

जबकि यह आदेश तभी दिया जा सकता है, जब याचिकाकर्ताओं के कानूनी अधिकार की अवहेलना हो। जबकि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए जल्दी चुनाव कराने की मंशा जताई है।

सनातन संस्कृति की धड़कन है संस्कृत : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की धकड़न और मानव सभ्यता की नींव है। वे मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित ''भविष्याय संस्कृतम्'' विषयक संभाषण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

देवनानी ने इस अवसर पर बताया कि राजस्थान विधानसभा के 21 नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा संस्कृत में शपथ लेना एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो संस्कृत के पुनर्जागरण की दिशा में एक सशक्त कदम है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संस्कृत, ऋषि-मुनियों की देव भाषा होने के साथ-साथ विज्ञान की दृष्टि से भी सर्वोत्तम मानी जाती है। उन्होंने बताया कि नासा जैसे संस्थान भी कंप्यूटर विज्ञान में संस्कृत की संभावनाओं पर शोध कर रहे हैं। जर्मन वैज्ञानिक संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन कर शोध और आविष्कार कर रहे हैं। संस्कृत में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देवनानी ने ''अभिनव प्रयास'' बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़भ् का जुड़ाव संस्कृत से गहराता जा रहा है, जो भाषा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संस्कृत केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि रोजगार का भी सशक्त माध्यम है।

राज्य के विश्वविद्यालयों में ज्योतिष, कर्मकांड जैसे विषयों के विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें और समाज में संस्कृत का व्यावहारिक उपयोग बढ़े। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सुरेश सोनी और जय प्रकाश गौतम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में संस्कृत के विद्वान, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सर्व समाज रैली का ऐलान किया

जयपुर। राष्ट्रीय लोकदल ने राजस्थान की राजनीति में तीसरे मजबूत विकल्प के रूप में उतरने का ऐलान करते हुए राजधानी जयपुर और भरतपुर के बयाना में दो बड़े आयोजन करने की घोषणा की है। पार्टी 22 सितंबर को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में लीडरशिप कैंप आयोजित करेगी, वहीं 5 अक्टूबर को बयाना में एक ऐतिहासिक सर्वसमाज एकता रैली का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने शनिवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में राजस्थान में 50 से अधिक विधायक और कई मंत्री थे। अब वही दौर दोहराने का समय आ गया है। इस बार पार्टी भाजपा और कांग्रेस को सीधी टक्कर देगी और जनता को एक सशक्त विकल्प देगी। 22 सितंबर को होने वाले लीडरशिप कैंप में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी और प्रदेश प्रभारी मलूक नागर विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। ये दोनों नेता संगठन, अनुशासन, रणनीति और आगामी कार्यक्रमों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे।

16 देशों के छात्रों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

जयपुर में ''रन फॉर आयुर्वेद'' का आयोजन हुआ

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की ओर से 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित ''रन फॉर आयुर्वेद'' रैली ने आमजन को आयुर्वेद से जोड़ने और निरोगी जीवन की प्रेरणा देने का कार्य किया। इस अवसर पर 16 देशों से आए छात्रों समेत लगभग 2000 प्रतिभागियों ने भाग लेकर आयुर्वेद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस जागरूकता रैली की शुरुआत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से होकर हवामहल और बड़ी चौपड़ तक हुई। रैली का आयोजन संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन चंद्रशेखर शर्मा, एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनील यादव ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता को आयुर्वेद और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। रैली के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से अब हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहा है। वर्तमान में संस्थान में 16 देशों के विद्यार्थी आयुर्वेद चिकित्सा में अध्ययन और अनुसंधान कर रहे हैं। प्रो. शर्मा ने बताया कि संस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा के साथ आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जा रहा है, जिससे कैंसर, दंत रोग, नेत्र रोग सहित विभिन्न रोगों के इलाज में लोगों को लाभ मिल रहा है। जल्द ही संस्थान में नया अत्याधुनिक ओपीडी ब्लॉक भी शुरू होने जा रहा है। कुलपति ने बताया कि संस्थान द्वारा स्पेशली एबल्ड बच्चों के इलाज हेतु बाल संवर्धन केंद्र, नशा मुक्ति इकाई, और ऑनलाइन ओपीडी रजिस्ट्रेशन जैसी सेवाएं शुरू की गई हैं। इसके साथ ही, पंचकर्म विभाग और अन्य विशिष्ट चिकित्सा विभागों में देश-विदेश से हर साल लाखों मरीज इलाज के लिए आते हैं।

संस्थान में प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु पांडुलिपि विज्ञान विभाग कार्यरत है, जो पूरे भारत में अपनी तरह की एकमात्र नोडल एजेंसी है। इसके अलावा, पेड़-पौधों की चिकित्सा के लिए एक विशेष वृक्ष आयुर्वेद विभाग भी स्थापित किया गया है।

इस मौके पर संस्थान के चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश नागर, डॉ. रितेश, डॉ. तरुण, और जनसंपर्क अधिकारी विनोद सैन भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से हवामहल और बड़ी चौपड़ तक शनिवार को ''रन फॉर आयुर्वेद'' रैली निकाली गई।

पूर्व डी.जी. पुलिस पीसी मिश्रा का निधन

जयपुर। राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक पूर्णचंद मिश्रा (पीसी मिश्रा)का शनिवार सुबह सवाई मानसिंह अस्पताल में देहांत हो गया। वे कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका दाह संस्कार रविवार को किया जायेगा। वे 26 जून 1985 से 31 जनवरी 1988 तक पुलिस महानिदेशक के पद पर रहे। मूलतः गुहावाटि के रहने वाले पीसी मिश्रा अपने पीछे दो पुत्रों समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये है। उनके एक बेटे अमेरिका में है, जबकि दूसरे बेटे कोलकाता में व्यवसाय करते है। स्व. मिश्रा की धर्मपत्नी सविता मिश्रा का वर्ष 2012 में निधन हो गया था।

'हिंदू चिंतन ही विश्व समस्याओं का समाधान'

जयपुर। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, राजस्थान द्वारा आज जयपुर स्थित होटल रेडिसन, खासा कोठी में एक प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाग्येश भाई झा (चेयरमैन, गुजरात साहित्य अकादमी एवं सेवा निवृत्त अधिकारी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल उपस्थित रहे। भाग्येश भाई झा ने भारत का भविष्य, मानवीय मूल्य एवं प्रौद्योगिकी विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदू दर्शन और चिंतन ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने सनातन संस्कृति और तकनीकी के सामंजस्य को शांति और स्थायित्व का आधार बताया।प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने विकसित भारत में हिंदुत्व की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि विकसित भारत का अर्थ है – स्वदेशी पर गर्व, नागरिक कर्तव्यों का पालन और पारिवारिक व्यवस्था की मजबूती। उन्होंने जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों पर समाज स्तर पर संवाद की आवश्यकता बताई। संस्थान के सचिव सोमकांत शर्मा ने हिंदू जीवन पद्धित की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज को पुनः भारतीय परंपराओं को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने मठ-मंदिरों और सामाजिक संस्थाओं के कार्यों को समाज में सामने लाने का आव्हान किया।

बटवाडा का जन्मदिन मनाया

जयपुर। किशनपोल से भाजपा के प्रत्याशी एडवोकेट चन्द्र मनोहर बटवाडा का जन्मदिन उनके निवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजन और हवन से हुई। दोपहर 2 बजे से देर शाम तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जन्मदिन कार्यक्रम में किशनपोल विधानसभा के तीनों मंडलों-चांदपोल, किशनपोल और जौहरी बाजार के मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर, कुलदीप शर्मा और दीपक शर्मा अपने-अपने पार्षदों, पार्षद प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं के साथ गाजे-बाजे के साथ पहुंचे। तीनों मंडल अध्यक्षों ने बटवाडा को तलवार भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और केक कटवाया। कार्यक्रम में लगभग 4000 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

चलती कार से हवाई फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार व वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में सोशल मीडिया से प्रभावित होकर गैंग बनाने और वर्चस्व बढ़ाने के लिए हवाई फायर करना कबूल किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में बदमाश कमलेश कुमार बैरवा (27) निवासी पापड़दा जिला दौसा और नरेश कुमार (24) निवासी जयसिंहपुरा रामनगरिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की है।

चलते ट्रेलर में अचानक लगी आग, चालक ने नीचे कूदकर जान बचाई

ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील, बड़ा हादसा टला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके के जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शनिवार सुबह चलते ट्रेलर में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दौरान वक्त रहते चालक ने ट्रेलर से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग लगने से ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील हो गया। पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट होने की कारण ट्रेलर में आग लग गई।

थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि हादसा शनिवार सुबह 10 बजे जयपुर-दिल्ली हाईवे पर हुआ था। जहां जयपुर से लोहे की पत्तियों का रोल लेकर ट्रेलर दिल्ली की तरफ जा रहा था। हाईवे पर अप्पू घर से आगे निकलते ही इलाके में चलते ट्रेलर के केबिन से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते हवा लगने से कुछ ही देर में आग की भीषण लपटें उठने लगी।

- **पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रेलर में आग लगी थी,फायर बिग्रेड की मदद से आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया**

आग देखकर चालक ने तुरंत ट्रेलर को हाईवे किनारे रोक दिया और कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में ट्रेलर का केबिन पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। जिसकी सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचीं।

पुलिस ने फायर बिग्रेड की गाड़ी की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से लगी आग के चलते ट्रेलर का केबिन जलकर कबाड़ में बदल गया।

ट्रेफिक जाम और युवाओं की भीड़ में फंसे वाहन चालक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा के कारण बीते 2 दिनों से राजधानी जयपुर में युवाओं व परीक्षार्थियों का रैला उमड़ा हुआ है। शनिवार शाम को जैसे ही परीक्षा खत्म हुई तो जयपुर के 200 फीट बायपास पर युवाओं की भीड़ एक साथ उमड़ी। यहां पर मेट्रो प्रोजेक्ट के कारण पहले से ही आधी सड़क पर आवाजाही बंद है। ऐसे में एकाएक बढ़ी भीड़ के बीच वाहन चालक फंसकर रह गए, जिन्हें अपने गंत्व्य तक पहुंचने के लिए लंबी कतारों में फंसकर परेशान होना पड़ा। फोटो-राष्ट्रदूत

सार-समाचार

पंजाब बाढ़ पीड़ितों का सहयोग प्रदान

जालोर, (कासं)। हाल ही में पंजाब बाढ़ में हुई भीषण बाढ़ से जान माल की हानि को देखते हुए पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रांतीय आर्य वीर दल राजस्थान की और से सहयोग प्रदान किया। आर्य वीर दल राजस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल आर्य ने बताया कि आर्य जगत के अंतर्राष्ट्रीय सन्यासी स्वामी आर्यवेश के निर्देशनुसार युवा क्रान्तिकारी सन्यासी स्वामी आदित्यवेश के नेतृत्व में पंजाब में बाढ़ पीड़ितों से मिल रहे है और राहत कार्य किया जा रहा है। मूल आवश्यकता की पूर्ति की जा रही है। इन्ही कार्यो को आगे बढाते हुए प्रांतीय आर्य वीर दल राजस्थान ने निर्णय लिया की इस पुनीत कार्य में सहयोग की आहुति लगाई जायेगी। इसके लिए जोधपुर जालोर, बालोतरा, शिवगंज सिरोही, पाली, जयपुर, कोटा, अजमेर सहित आर्य समाजो से राजस्थान प्रान्त की और से भंवरलाल आर्य, विनोद आर्य, शिवदत्त आर्य, जितेंद्र सिंह, हरदेव आर्य, छवि आर्या, राजेंद्र गहलोत, दिलीप गहलोत की और से सहयोग राशि एकत्रित की गई। एकत्रित राशि आज दिल्ली मे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा भारत के प्रधान स्वामी आर्यवेश, राष्ट्रीय मंत्री बिट्टल राव, स्वामी आदित्य वेश , बहन प्रवेश आर्या से भेंट कर राजस्थान प्रतिनिधियों द्वारा दो लाख पंद्रह हजार रुपये एकत्रित राशि का चेक पंजाब पीड़ितों के सहयोग के लिए आज प्रदान की, और आश्वासन दिया की आर्य वीर दल राजस्थान हमेशा आपके साथ खडा रहेगा। इस अवसर पर आर्य वीर दल राजस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष चांदमल आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान बिरजानंद, मंत्री कमलेश शर्मा, शिवगंज के संरक्षक हरदेव आर्य, राजस्थान व्यायाम शिक्षक उम्मेद सिंह आर्य प्रतिनिधि दल ने सहयोग राशि का चेक प्रदान किया।

भारतीय किसान संघ की बैठक हुई

रेवदर, (निसं)। भारतीय किसान संघ तहसील रेवदर एवं मण्डार की संयुक्त टोली बैठक शनिवार को रेवदर में जिला अध्यक्ष मावारामजी चौधरी सोरडा की अध्यक्षता में एवं जोधपुर प्रान्त कार्यकारी सदस्य बीज प्रमुख नाथुराम लोहार अनादरा के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। जिसमें उपस्थित कार्यकर्ताओं ने 24 सितम्बर को मण्डार से किसानों की टेक्ट्रर रैली को लेकर चर्चा की गई। किसानो ने बताया कि रेवदर में मुंगफली खरीद केन्द्र अथावत रखते हुए और मण्डार उप तहसील स्तर पर मुंगफली खरीद केन्द्र अतिरिक्त खोला जाये। रेवदर तहसील के सभी गांवों को आंनलाईन गिरदावरी एवं खसरा नंबर से जोडा जाये तथा प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना का लाभ सभी किसानों को मिलना चाहिए।बीमा कंपनी प्रिमियम राशि किसान के खाते काटकर ले जाती है लेकिन आज दिन तक फसल बीमा क्लेम किसानों को नहीं मिला है सो इसकी जांच होनी चाहिए। वही सेलवाडा सुकली बांध से किसानों को नहर द्वारा सिंचाई हेतु पानी खेतों को दिया जावे। लेकिन समय से पहले टूटी हुई नहर की मरम्मत कार्य पूर्ण किया जावे।फिर किसानों को नहर में पानी सिंचाई के लिए देवें। बैठक जिला उपाध्यक्ष गणपतसिहजी देवडा डांगराली ,जिवारामजी घांची नागाणी, तहसील अध्यक्ष बाबूलाल कोली, तहसील अध्यक्ष भंवरलाल माली, तहसील मंत्री मोहन पुरोहित सेलवाडा सहित कई किसान उपस्थित थे।

67 साल पुराने मकान की बालकनी ढही

पाली, (नि.सं.)। पाली 20 सितंबर शहर के व्यस्त मार्केट जर्दा बाजार में आज दोपहर करीब 67साल पुराने एक मकान की बालकनी ढह गई। इस हादसे के दौरान आस-पास कोई था नहीं अन्यथा जानमाल का नुकसान हो सकता था। इस हादसे के बाद सड़क पर बालकनी का मलबा बिखर गया जिसके लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। शहर के व्यस्त बाजार में आज दोपहर एकपुराने मकान के 2 फ्लोर की बालकनी अचानक टूटकर नीचे फर्स्ट फ्लोर की बालकनी पर गिरी जिससे नीचे की बालकनी भी टूट गई और दोनों बालकनी का मलबा नीचे सड़क पर जा गिरा। गनीमत यह रही कि बालकनी गिरने के दौरान नीचे कोई नहीं था अन्यथा यहां बड़ा बड़ा हादसा हो सकता था। अचानक इन डंक बालकनी का मलबा नीचे की दुकान के शटर और बाहर लगे एसी के कंप्रेशर पर गिरा, जिसके बाद आस पास के लोगों इस दुर्घटना की सूचना नगर निगम को को दी।, वहीं पूर्व पार्षद विकास बुबकिया को जानकारी हुई तो वे भी मौके पर पहुंचे।

धार्मिक स्थान की सफाई की

सायला, (निसं)। भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष में सेवा पखवाडा के तहत भाजपाईयों ने आसाणा एवं चौराऊ गांव मे आम चौहटे व गौशाला परिसर मे साफ-सफाई कर स्वछता का सन्देश दिया। साथ ही गौशाला परिसर मे एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधरोपण कर गायों को हरा चारा एवं गुड़ खिलाया गया। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष नैनमल लखारा, उपाध्यक्ष मांगीलाल राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, मूलसिंह चम्पावत, बलवंतसिंह दहिया तुरा, राहुल भंडारी, बलवंतसिंह राजपुरोहित, खंगारसिंह दहिया, जबरसिंह राजपुरोहित, घेवाराम माली, विक्रमसिंह चम्पावत, जबरसिंह बी. राजपुरोहित, जबरसिंह वी. राजपुरोहित, लाखसिंह चम्पावत, विजयसिंह, करनसिंह, मोहनलाल, सुखराज, जैसाराम, पारसमल, छगनलाल राजपुरोहित, नरपतसिंह दहिया, मूलाराम, जगदीश वैष्णव, केसाराम राजपुरोहित, लाखाराम मेघवाल, भंवरलाल सोनी, जबराराम माली, पहाड़सिंह, दुर्गसिंह, रायमल देवासी समेत ग्रामीण मौजूद थे।

ग्रामीण व शहरी सेवा शिविर आयोजित

जालोर, (कासं)। जिले में शनिवार को जालोर तहसील की चूरा व बाकरा, आहोर तहसील की बिठूडा व कवराडा, भाद्राजून तहसील की भाद्राजून व निम्बला, सायला तहसील की जीवाणा व बावतरा, बागोडा तहसील की जैसावास व नया मोरसीम, भीनमाल तहसील की जेरण व बोरटा, जसवंतपुरा तहसील की रामसीन व माण्डोली, रानीवाडा तहसील की धामसीन व धानोल, सांचौर तहसील की सेडीया व धमाणा एवं चितलवाना तहसील की खेजडिवाली व सिपाहियों में शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणजन को लाभान्वित किया गया। 9 सितंबर, वर्ष 2022 को भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आरंभ किए गए राष्ट्र व्यापी अभियान प्रधानमंत्री टी. बी. मुक्त भारत के अंतर्गत जालोर जिले की ग्राम पंचायत बाकरा में आयोजित हुए ग्रामीण सेवा शिविर में वरिष्ठजन श्री भभूताराम सरगरा को शिविर प्रभारी तहसीलदार संजय बोहरा एवं निक्षय मित्र द्वारा निक्षय पोषण किट वितरित की गई।

बैलों से खेती के लिए प्रोत्साहन मिला

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार की वर्ष 2025-26 बजट घोषणा के अंतर्गत प्रदेश में लघु व सीमांत कृषकों को बैलों से खेती करवाए जाने हेतु प्रोत्साहन सहायता राशि के रूप में प्रतिवर्ष 30,000 रूपए प्रदान किए जाने के क्रम में जिले की ग्राम पंचायत धानोल में शनिवार को आयोजित हुए ग्रामीण सेवा शिविर में किसान चुणाराम कोली को पशुपालन विभाग के कार्मिकों द्वारा बैलों को हेल्थ सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। जिसके फलस्वरूप उन्हें प्रोत्साहन सहायता राशि प्राप्त होगी। इस अवसर पर किसान चुणाराम कोली ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ब्लॉक विकास अधिकारी, रानीवाडा हेमलता विश्नोई व पशुपालन विभाग के डॉ नवीन कुमार सहित विभागीय कार्मिकों का आभार जताया।

वन विभाग ने अवैध फसल हटाई

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले की फतेहगढ़ तहसील के तेजरावा गांव में सरकारी जमीन पर की जा रही अवैध खेती पर वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 5 सौ बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया। सहायक वन संरक्षक अशोकसिंह ने बताया विभाग को लम्बे समय से सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से खेती करने की शिकायत मिल रही थी। टीम बनाकर करीब 50 से ज्यादा अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण ट्रैक्टरों की मदद से हटाकर सरकारी जमीन से अवैध फसल, तारबंदी आदि से अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस थाना झिनझिनयाली से पुलिस जाब्ता भी मौके पर मौजूद रहा, जिससे किसी प्रकार की अवांछित स्थिति पैदा नहीं हुई। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे भविष्य में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने से बचें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

सुरताराम को आवासीय पट्टा मिला

जालोर, (कासं)। ग्रामीण सेवा शिविर, 2025 के अंतर्गत जालोर जिले की नया मोरसीम ग्राम पंचायत में शिविर में प्राथी सुरताराम जाति गाडिया लोहार ने प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें आबादी भूमि पर आवासीय पट्टा उपलब्ध करवाया जाए, उक्त मामले पर शिविर प्रभारी नायब तहसीलदार, बागोडा वीरमाराम राणा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पंचायती राज विभाग की ड्रोन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर सुरताराम को आवासीय पट्टा उपलब्ध करवाने के लिए त्वरित कार्रवाई की।

समाज सेवा की सच्ची सीख सिखाती है स्काउटिंग : भाटी

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में दिनांक 15 से 21 सितम्बर तक आयोजित जिला स्तरीय कब एवं स्काउट यूनिट लीडर बेसिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में किया जा रहा है। शिविर में जिले के 96 विद्यालयों से 97 अध्यापक यूनिट लीडर के रूप में सहभागिता कर रहे हैं।

18 से 22 तक जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी शिविर केन्द्र पर किया जा रहा है जिसमें 116 स्काउट सहभागिता कर रहे हैं।

सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण और यूनिट लीडर प्रशिक्षण शिविर में आज पाली विधानसभा विधायक भीमराज भाटी ने शिविर का अवलोकन किया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे संभागियों से रूबरू हुए।

विधायक भाटी ने संभागियों से रूबरू होते हुए बताया कि स्वयं बाल्यकाल में कब, स्काउट ओर रोवर के रूप में स्काउट गतिविधि से जुड़कर स्काउट प्रवृति से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि अनुशासन के साथ में समाज सेवा की सच्ची सीख सिखाने वाली सबसे उत्कृष्ट गतिविधि स्काउटिंग है जिसमें बालक बालिकाएं बाल्यकाल से अनुशासन और सेवा के भावना की ओर प्रवृत्त होते हुए देश के लिए सुनागरिक के रूप में तैयार होते है। उन्होंने स्वयं को विद्यार्थी जीवन में स्काउट के रूप में बिताए शिविर जीवन की स्मृतियों को साझा किया।

विधायक भीमराज भाटी ने अपने उद्बोधन में स्काउट गाइड के क्षेत्र में जिले में संचालित गतिविधियों की तारीफ करते हुए स्काउट गाइड प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की एवं प्रशिक्षण केंद्र में विकास कार्यों के लिए विधायक कोष से 25 लाख रुपए के निर्माण कार्यों की घोषणा की। सभी स्काउट गाइड और प्रशिक्षण शिविर के संभागीयों द्वारा हर्षनाद कर आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर भामाशाह ओर समाज सेवी मदन जागरवाल भी उपस्थित रहे।

सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया शिविर में प्राथमिक सहायता, आपदा प्रबंधन, खोज के चिन्ह, ध्वज शिष्टाचार, ओर यूनिट संचालन बाबत आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थी ओर स्टाफ सहित 250 संभागी उपस्थित रहे। 5 दिवसीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में पाठ्यक्रम के अनुसार विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है सायं के सत्र में शिविर में भामाशाह ओर आजीवन सदस्य प्रतिनिधि ओम प्रकाश परिहार ओर मोहन लाल सुखाड़िया ने स्काउट का मार्गदर्शन कर सेवा भाव से जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में स्काउट शिविर संचालक पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, आलोक शर्मा, कब यूनिट लीडर शिविर के संचालक कर्माराम, रघुनाथ राम मीणा, मूलाराम पंवार, ढलाराम राठौड़, वजाराम राणा, दौलत सिंह, रमेश कुमार सोलंकी, जयपाल सिंह, भारत दाधीच, प्रदीप कुमार शर्मा, कैलाश कुमार, विशाल, घिसा राम आदि के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

विधवा को मिला न्याय, 20 लाख मुआवजा का आदेश

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग जालोर अध्यक्ष घनश्याम यादव ने बीमा कंपनी को सेवा में त्रुटि का दोषी मानते हुए मृतक की विधवा को बीमा क्लेम की राशि बीस लाख रुपए मय ब्याज देने का आदेश सुनाया है। साथ ही बीमा कंपनी पर एक लाख सात हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

परिवादी सीतादेवी पत्नि धनाराम चौधरी, निवासी कारलू ने परिवाद पेश कर बताया कि परिवादिया के पति धनाराम द्वारा बीमा कम्पनी एस. बी. आई. जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि. से एक व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी एक वर्ष की अवधि के लिए ली थी, जिसके लिए परिवादिया के पति द्वारा एसबीआई बीमा कम्पनी को एक हजार रुपये का भुगतान किया था। 14 मार्च 2020 को परिवादिया के पति अपनी स्कूटी से कारलू से शिवगढ जा रहे थे तो अचानक स्कूटी से गिरने से उनके सिर में गहरी चोट आई, जिससे दौराने इलाज उनकी मौत हो गई।

परिवादिया ने एक क्लेम सम्पूर्ण दस्तावेजों सहित नॉमिनी होने से एसबीआई बीमा कम्पनी के समक्ष पेश किया। बीमा कंपनी ने अपने पत्र 18 फरवरी 2021 के द्वारा क्लेम को खारिज किये जाने की सूचना दी। जिस पर परिवादिया ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से विधिक नोटिस भेजा, जिसका बीमा कंपनी ने जवाब भेजकर क्लेम देने से इनकार कर दिया। इस प्रकार अप्रार्थी बीमा कम्पनी ने केवल मात्र सुनी सुनाई बातों को आधार मानकर बीमा क्लेम को गलत रूप से खारिज किया है। परिवादिया ने आयोग से क्लेम राशि एवं हर्जाना दिलाने की मांग की। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष घनश्याम यादव एवं सदस्य निरंजन शर्मा ने तथ्यों और बीमा कंपनी के जवाब आदि तथ्यों का अवलोकन करने के पश्चात बीमा कंपनी जरिए प्रबंध संचालक को सेवा में त्रुटि को दोषी मानते हुए 45 दिन के भीतर बीमा क्लेम राशि 20 लाख रुपये परिवाद प्रस्तुत करने की दिनांक से ब्याज सहित देने का आदेश दिया है।

साथ ही मानसिक वेदना और आर्थिक हर्जाने के रुप में एक लाख रुपये और परिवाद व्यय के सात हजार रुपये कुल एक लाख सात हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

साथ ही बीमा कंपनी को भविष्य में बीमा क्लेम में सेवा दोष नहीं करने की हिदायत भी दी है।

सेवा पखवाड़ा में प्रबुद्ध वर्ग संवाद आयोजित

जालोर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) के उपलक्ष्य में देशभर में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कडी में शनिवार को जालोर जिला परिषद सभागार में प्रबुद्ध वर्ग संवाद कार्यक्रम का आयोजन राज्य वित्त आयोग चेयरमैन तथा भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

कार्यकम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में किसान आयोग चेयरमैन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी,माटी कला बोर्ड चेयरमैन प्रहलाद राय टांक,जिला संगठन प्रभारी महेंद्र बोहरा, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जिला प्रमुख राजेश राणा,पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह बालावत,पूर्व मंत्री भूपेंद्र देवासी बतौर अतिथि उपस्थिति रहे।

इस कार्यक्रम के संयोजक के नाते परमवीर सिंह भाटी ने भूमिका निभाई। जिला प्रवक्ता दिनेश महावर ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थान राज्य वित्त आयोग के चेयरमैन एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में हुए बहुआयामी विकास कार्यों, लोककल्याणकारी योजनाओं, सेवा एवं सुशासन के मॉडल पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम पायदान पर खडे व्यक्ति तक पहुँच रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को राजनीति का आधार बनाकर नए मानदंड स्थापित किए हैं। सेवा पखवाडा का उद्देश्य भी आमजन तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुँचाना और समाज में सेवा-भावना को बढावा देना है।

कार्यक्रम में जालोर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी, शिक्षाविद, अधिवक्ता, चिकित्सक, महिला प्रतिनिधि सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में अपने विचार रखे तथा सेवा-पखवाडा से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित द्वारा जिला स्तर पर सेवा पखवाडा के तहत विभिन्न सेवा एवं जनजागरण गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा भी इस अवसर पर प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम से पूर्व जालौर सीमा पर जिला अध्यक्ष जसराज राजपुरोहित के नेतृत्व में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। उसके पश्चात सेवा पखवाडा संयोजक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में सर्किट हाउस में कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने की। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह सिसोदिया तथा भवानी सिंह देता ने किया एवं अंत में जिला संगङ्गन प्रभारी महेंद्र बोहरा ने सभी प्रबुद्ध जनों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल, मुकेश राजपुरोहित, हीरालाल शाश्वत, गिरधारी देवासी, जिला महामंत्री बंशीलाल सुथार, प्रकाश छाजेड, जिला प्रवक्ता दिनेश महावर, हिंगलाज चारण, सुरेश राजपुरोहित, उर्मिला दर्जी ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ओबाराम देवासी,मन की बात संयोजक सुरेश सोलंकी,नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी, वरिष्ठ भाजपा नेता चिरंजीलाल दवे, उद्योगपति पुष्पराज बोहरा, परमानंद भट्ट, पेंशनर समाज अध्यक्ष धनराज दवे, रतन सिंह कानीवाडा, जोगेश सेन, सुरेश सुन्देशा, अमन मेहता, महेंद्र मुनोत, महेश भट्ट, बाबूलाल मेघवाल, गणपत सिंह, टीकमचंद, दिनेश बारोट, अंजना भट्ट, शिला विश्नोई, गीता बारोट, डिंपल सिंह सहित उपस्थित रहे।

सांडे का शिकार करत शिकारी गिरफ्तार, दो फरार

बाप, (निसं)। बाप से भींवजी का गांव जाने वाले कच्चे रास्ते पर शनिवार तड़के वन विभाग की टीम ने गश्त के दौरान प्रथम वन्यजीव श्रेणी के जीव सांडे के अवैध शिकार करते एक शिकारी को गिरफ्तार किया गया है। दो शिकारी झाड़ियों व अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रेमाराम के नेतृत्व में वन विभाग की टीम बीती रात गश्त पर थी। शनिवार अल सुबह पांच से छह बजे भींवजी का गांव जाने वाले कच्चे मार्ग पर तीन शिकारी सांडे का शिकार करते नजर आए। जिस पर टीम ने तत्काल मौके पर पहुंच एक शिकारी सोहनलाल पुत्र प्रभुराम बावरी को मौके पर दबोच लिया। दो अन्य शिकारी अंधेरा व बबूल की झाड़ियों का फायदा उठा वहां से भाग गए। क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रेमाराम ने बताया कि शिकारी के कब्जे से एक सरिया, प्लास और शिकार में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई। साथ ही शिकारी से कुल 31 सांडे बरामद किए। इनमें से 30 घायल अवस्था में थे, जिन्हें वन भूमि में छोड दिया गया, जबकि एक मृत सांडे का पोस्टमार्टम करवाकर दफना दिया गया। उन्होंने बताया कि अंधविश्वास के चलते सांडे का शिकार किया जाता है। शिकार किए गए सांडे का तेल निकालकर उसे दवाओं के रूप में उपयोग करते हैं, जबकि यह पूरी तरह अवैज्ञानिक व गैरकानूनी है।

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT GODAN
PS JALORE

No.- GP/2025-26/82 DATE -18-09-2025

-: Notice Inviting Bid:-

Bid for **SUPPLY OF CONSTRUCTION MATERIAL AND PROVIDING EQUIPMENT FOR VARIOUS SCHEMES AT GRAM PANCHAYAT GODAN** are invited from interested bidders **upto Date 03.10.2025 at 6:00 PM** other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in , http://sppp.raj.gov.in) of the state and notice board of this office. The approximate value of the procurement is **Rs.70 lakh** .

NIB code : ZJR2526A0523
UBN : ZJR2526GLOB00845

Sarpanch, Gram panchayat Godan — Village Development officer, Gram panchayat Godan

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT DEVKI
PS JALORE

No.- GP/2025-26/31 DATE -19-09-2025

-: Notice Inviting Bid:-

Bid for **SUPPLY OF CONSTRUCTION MATERIAL AND PROVIDING EQUIPMENT FOR VARIOUS SCHEMES AT GRAM PANCHAYAT DEVKI** are invited from interested bidders **upto Date 29.09.2025 at 11:00 AM** other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in , http://sppp.raj.gov.in) of the state and notice board of this office. The approximate value of the procurement is **Rs. 60 lakh** .

NIB code : ZJR2526A0525
UBN : ZJR2526GLOB00847

Sarpanch, Gram panchayat Devki — Village Development officer, Gram panchayat Devki

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

स्टेशन रोड शाखा, रिजर्व पुलिस लाईन के सामने जयपुर, राजस्थान 302001, फोन नं.: 8094018326 ई-मेल: stajai@bankofbaroda.com

BOB/STAJAI/2024/ADV/05-176 दिनांक: 10.09.2025

(1) **मैसर्स गोविन्दा टेक्सटाईल जरिये प्रोपराईटर श्री गोविन्द राठी**
फैक्ट्री पता- प्लॉट नं. 02, प्रथम तल, श्री राम विहार सांगानेर, रीको कांटा के पास, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020
(2) **मैसर्स गोविन्दा टेक्सटाईल जरिये प्रोपराईटर श्री गोविन्द राठी**
रजि. पता (जीएसटी)- ए-36, न्यू सचिवालय विहार कल्याणपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया केशवाना, जयपुर, राजस्थान 303108
(3) **श्री गोविन्द राठी पुत्र ओमप्रकाश**
वर्तमान आवासीय पता- फ्लैट नं. बी-2206, 21वां तल स्कॉय टेरेसेज, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020
(4) **श्री गोविन्द राठी पुत्र ओमप्रकाश**
320, घन्चियों का बास महामंदिर, जोधपुर कचेरी, जोधपुर, राजस्थान 342006
(5) **श्री गोविन्द राठी पुत्र ओमप्रकाश**
32, आदर्श नगर, लाल सागर, जोधपुर, राजस्थान 342007
मोबाईल नं. 9537177008

प्रिय महोदय/महोदया,

संदर्भ: प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत तथा वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम, 2002) की धारा 13(8) के अनुसार मैसर्स गोविन्दा टेक्सटाईल जरिये प्रोपराईटर श्री गोविन्द राठी के एनपीए खाते में नोटिस।

जबकि अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और नियम 3 के साथ पठित उक्तअधि नियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **07.09.2024** को एक मांग नोटिस जारी किया जिसमें एनपीए खाते **मैसर्स गोविन्दा टेक्सटाईल जरिये प्रोपराईटर श्री गोविन्द राठी** के उधारकर्ता(ओं)/जमानतदार(ओं) को उक्त नोटिस की तिथि से 60 दिनों के भीतर उक्त नोटिस के अनुसार राशि चुकाने के लिए कहा गया और नोटिस में उल्लेख किया गया "हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) की ओर आकर्षित करते हैं जिसके अनुसार आप सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुना सकते हैं, यदि बैंक द्वारा वहन की गई सभी लागतों, शुल्कों और खर्चों के साथ बकाया राशि आपके द्वारा सार्वजनिक नीलामी/कोटेशन आमंत्रण/निविदा/निजी संधि के लिए नोटिस के प्रकाशन की तिथि से पहले किसी भी समय प्रस्तुत की जाती है। कृपया ध्यान दें कि प्रकाशन के बाद उपरोक्त सूचना के अनुसार, सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने का आपका अधिकार उपलब्ध नहीं होगा।"

और चूंकि उधारकर्ता/जमानतदार राशि चुकाने में असफल रहे हैं, इसलिए अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ नियम 4 और/या नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बंधक अचल संपत्ति/संपत्तियों (जिन्हें आगे उक्त संपत्तियों के रूप में संदर्भित किया गया है) का भौतिक कब्जा ले लिया है, जिसका विशेष रूप से नीचे वर्णन किया गया है और कब्जे की सूचना **दिनांक 21.08.2025** दी गई है।

और जबकि अधोहस्ताक्षरी, सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त संपत्तियों की बिक्री द्वारा बैंक की देनदारियों की वसूली का प्रस्ताव रखते हैं। और जबकि उक्त संपत्तियों की बिक्री "जहाँ है जैसी है", "जो है जैसी है", "जो कुछ भी है" और "बिना किसी सहारे के" के आधार पर ई-नीलामी के माध्यम से की जाएगी और बिक्री की सार्वजनिक सूचना **11.10.2025** को या उसके बाद स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाएगी।

और अधोहस्ताक्षरी बैंक के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, आपको सरफेसी नियम के नियम 8(6) और उक्त अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधानों के अनुसार 30 (तीस) दिन का नोटिस देते हैं और आपको बैंक की कुल बकाया राशि **रुपये 83,97,222.74 (दिनांक 20.08.2024 तक) प्लस ब्याज, कानूनी शुल्क, अन्य खर्चों** को चुकाने और सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने की सलाह देते हैं अन्यथा बैंक को उक्त एनपीए खाते में बैंक की बकाया राशि वसूलने के लिए कानूनी वसूली कार्रवाई करने के लिए बाध्य किया जाएगा।

सुरक्षित परिसंपत्तियों/बंधक संपत्ति का विवरण

श्री गोविन्द राठी पुत्र ओमप्रकाश राठी के नाम आवासीय सम्पत्ति जो यूनिट नं. सी-82, द्वितीय तल, टॉवर-सी (रिकॉर्ड टॉवर 3 के अनुसार), भूमि निर्माण क्षेत्र में यथानुपात हिस्सेदारी 847.55 वर्ग फीट, यूनिक न्यू टाऊन फेज-II जो भूमि पार्ट ए का प्लॉट, खसरा नं. 712, 713, 830/714, 715, 716, 717, 831/718, 719, 720, 721, गाँव महल, जगतपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर पर स्थित है। **यूनिट नं. सी-82 की सीमाएं**- उत्तर: फ्लैट नं. सी-92, दक्षिण: गलियारा एवं फ्लैट नं. सी-72, पूर्व: खुला आकाश, पश्चिम: खुला आकाश
भूमि पार्ट ए का प्लॉट, खसरा नं. 712, 713, 830/714, 715, 716, 717, 831/718, 719, 720, 721, गाँव महल, जगतपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर की सीमाएं- उत्तर: अन्य भूमि, दक्षिण: रोड़, पूर्व: अन्य भूमि, पश्चिम: अन्य भूमि

भवदीय
(नवीन कुमार गर्ग)
मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

स्वामी विवेकानंद स्कूल में स्कूल विकास और प्रबंधन समिति का गठन

रानीवाड़ा,(नि.सं.)। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, रानीवाड़ा में आज शिक्षा के एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जहां एसडीएमसी (स्कूल विकास और प्रबंधन समिति) का गठन किया गया। बैठक सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि एक ऐसी पहल थी जो साबित करती है कि शिक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूल प्रबंधन, अभिभावक और समुदाय ने मिलकर छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की राह बनाई। यह एक ऐसा कदम है जो बताता है कि जब सब मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती।

विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक की शुरुआत सचिव भूरसिंह मीना के अभिनंदन के साथ हुई, जिन्होंने सभी अभिभावकों को अपने विचार और सुझाव रखने के लिए आमंत्रित किया। बैठक का सबसे बड़ा उद्देश्य छात्रों के शैक्षिक और सह-शैक्षिक विकास पर खुलकर बात करना था। प्रधानाचार्य ने इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ किताबों का ज्ञान ही काफी नहीं है, बल्कि छात्रों का समग्र विकास जरूरी है। खेल, कला, संगीत और अन्य गतिविधियों के जरिए उनमें छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाना ही असली शिक्षा है। अभिभावकों ने अपनी बेबाक राय रखी। प्रवीण कुमार ने कहा कि विद्यालय और घर पर बोलचाल में अंग्रेजी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग किया जाना चाहिए। वहीं, पुरेश पटेल ने कहा कि खेलकूद में बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और मॉडल स्कूल का नाम रोशन कर जिले में अपनी धाक जमा रखी है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों को भी शैक्षिक गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। पुरेश पटेल ने महिला अध्यापिका की कमी को एक गंभीर विषय बताया और इसके लिए जनप्रतिनिधियों और विधायक के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचाने की बात कही।

गुमान सिंह राव ने कहा कि रानीवाड़ा के लोग भाग्यशाली हैं कि पूरे जालोर जिले में सीबीएसई पैटर्न की अंठोजी माध्यम, स्मार्ट क्लासरूम और अच्छी सुविधाओं वाली गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क शिक्षा सिर्फ मॉडल स्कूल में मिल रही है। उन्होंने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को धन्यवाद दिया, जिन्होंने रानीवाड़ा में इस स्कूल की नींव रखी। उन्होंने अध्यापकों की कमी पर भी चिंता जताते हुए कहा कि पूर्व की तरह समय-समय पर साक्षात्कार आयोजित किए जाने चाहिए ताकि मॉडल स्कूलों को शिक्षकों की कमी का सामना न करना पड़े।

अध्यापक अभिभावक परिषद के अध्यक्ष करनाराम देवासी ने कहा कि मोबाइल से दूरी बनाए रखनी चाहिए और इसके लिए अभिभावकों को भी बच्चों के सामने मोबाइल का कम से कम उपयोग करना चाहिए। धनराज मीणा ने सुझाव दिया कि जिला और राज्य स्तरीय खिलाड़ियों के साथ महिला अध्यापिका को भी साथ भेजा जाना चाहिए। प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार ने सुझावों पर संतुष्टि जाहिर कर कहा कि यह विद्यालय अंग्रेजी माध्यम का स्कूल है और विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय भेजकर और घर पर पढ़ने के लिए प्रेरित करके ही बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाया जा सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि बच्चों के साथ उनके शिक्षकों और विद्यालय के बारे में बातचीत करें ताकि उनमें शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

सचिव भूरसिंह मीणा ने सर्वसम्मति से गठित हुई नई एसडीएमसी के सदस्यों के नाम की घोषणा की, जिसमें गंगाराम, करनाराम, पिंकी देवी लखारा, इंदिरा सेन, राजेंद्र कुमार सुथार, गोविंद रावल, सुखदेव सिंह, श्रवण कुमार, विजय राज जैन, रेखा देवी, दिनेश कुमार, विज्ञान प्रतिनिधि रमेश कुमार पांचाल, सामाजिक विज्ञान प्रतिनिधि मुकेश कुमार गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि अंबालाल चितारा और गुमान सिंह राव शामिल हैं।

बैठक के अंत में राज्य स्तर पर चयनित खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर नेतराम मीणा, बगदाराम सौलंकी, लक्ष्मण राम चौहान, रोहित कुमार, चेतन दान, योगेश कुमार, निशार खान, हंजारी मल, कृष्ण कुमार पुरोहित, भंवर सिंह धानोल, नंदकिशोर जीनगर, जयंती लाल, मुकेश कुमार मीणा, खेमाराम, गोविंद कुमार, हुसैन खान, हरीश कुमार, हरि प्रकाश, जितेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार, अजवाराम, भगवान सिंह, पोपटलाल, हरजीराम, नंदकिशोर जीनगर, सिकंदर अली, महेंद्र बशीर खान, लालाराम, इंदिरा, गीता देवी, पिंकी देवी और कई अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

संतों ने दिया आशीर्वाद

जालोर, (कासं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट-गाइड स्थानीय संघ जसवंतपुरा का द्वितीय, तृतीय सोपान व राज्य पुरुस्कार प्रशिक्षण शिविर बलवंत ढाणी डोरडा में महंत बाबुगिरी महाराज (पुनासा मठ), महंत आशा भारतीजी महाराज (गोल मठ उम्मेदाबाद), महंत प्रेमभारती महाराज (गजीपुरा मठ) महंत कुलदीप भारती महाराज डोरडा मठ , महंत शिव भारती महाराज, महन्त काशीनाथ महाराज, अमृतनाथ महाराज, अष्ट कौशल महंत कमल भारती महाराज ने स्काउट- गाइड को आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भाखरा राम राणा द्वारा स्काउट एवं गाइड को स्काउट की प्रत्येक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि स्काउटिंग गतिविधि बालक को जीवन जीने की कला सिखाती हैं। इस कैम्प में भोजन इत्यादि की व्यवस्था में सहयोगी भामाशाह कुलदीप भारती महाराज, झालम सिंह, मकन सिंहे, गणपत सिं, मगन रावल डोरडा का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। स्थानीय सचिव विरेन्द्र सिंह द्वारा कैम्प में हुई गतिविधियों जैसे-स्काउट नियम, प्रार्थना, झंडा गीत, गांठे, प्राथमिक उपचार, पायोनियरिंग,लेंसिंग,सीटी के संकेत, खोज चिन्ह,कम्पास,ध्वज शिष्टाचार, बी.पी. सिक्स व्यायाम इत्यादि के बारे में बताया। पर प्रशिक्षक दलपत सिंह जोधा, प्रताप दास वैष्णव,प्रधानाचार्य तुलसाराम, वागा राम सुथार, शैलेन्द्रसिंह चारण, स्काउटर- जसाराम विरास, हिराराम, रामेश्वरलाल, लेराराम, मांगीलाल, भीखाराम, मोमताराम, अशोक कुमार, गाईडर गुंजन शर्मा, दक्ष प्रशिक्षक ने स्काउट गाइड को प्रशिक्षण दिया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

एसएफएस मानसरोवर शाखा, एसपी-1, साउथएण्ड स्क्वायर मॉल, रीको औद्योगिक क्षेत्र मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020, ई-मेल: sfsman@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
''परिशिष्ट-IV-क'' [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **''जैसी है जहां है'',''जो है जैसी है'' और ''जितनी भी उपलब्ध है''** के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्र./लोट सं.	ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**मैसर्स हरप्यारी एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड** प्लॉट नं. 183, आयकर नगर-II, कल्याणपुरा, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302020 **निदेशक एवं जमानतदार- श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक** फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड़, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान एवं गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर, राजस्थान 342311 **श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक** फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड़, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान एवं गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर, राजस्थान 342311	श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक के नाम साम्यिक बंधक अचल सम्पत्ति जो आवासीय प्लॉट नं. 60, स्कीम नं. 9, भृगु नगर स्कीम, अजमेर रोड़, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 269.34 वर्ग गज है। **सीमाएं**- पूर्व: रोड़ 30 फीट चौड़ी, पश्चिम: प्लॉट नं. 73, उत्तर: रोड़ 30 फीट चौड़ी, दक्षिण: प्लॉट नं. 61-ए **अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं**	रूपये 3,03,60,605.86 दिनांक 30.04.2025 को बकाया (दिनांक 30.04.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	29.10.2025 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	**आरक्षित मूल्य-** रूपये 3,01,00,000/- **धरोहर राशि-** रूपये 30,10,000/- **बोली वृद्धि राशि-** रूपये 20,000/-	वास्तविक	24.10.2025 दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से मोबाईल नं. 8094018451 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिनांक: 20.09.2025
स्थान: जयपुर

हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ओमान के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में बल्लेबाजी नहीं की थी। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन सूर्यकुमार बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सूर्यकुमार की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी अक्षर पटेल

अक्षर पटेल पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले भारत के सुपर फ़ोर मैच में नहीं भी खेल सकते हैं। उन्हें अबु धाबी में ओमान के खिलाफ ग्रुप ए मैच में फ़ील्डिंग करते समय सिर पर चोट लगी थी। अक्षर को 15वें ओवर में यह चोट लगी थी। वह मिड-ऑफ़ से दौड़ते हुए हम्माद मिर्ज़ा का कैच लेने की कोशिश में संतुलन खोकर गिर पड़े, जिससे उनका सिर जमीन से टकरा गया। इसके बाद उन्हें सिर और गर्दन को पकड़ते हुए देखा गया और फ़िज़ियो की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। वे ओमान की पारी के बचे हुए हिस्से में फ़ील्ड पर नहीं लौटे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम का सामना अब रविवार को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है और उसने अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है।

दुबई में पाकिस्तान से महाजंग, टीम इंडिया पूरी तरह तैयार : सूर्यकुमार

दुबई, 20 सितम्बर। दुबई में एशिया कप लीग मैच में भारत द्वारा पाकिस्तान को हराने और जानबूझकर हाथ मिलाने से बचने के कुछ ही मिनट बाद, सूर्यकुमार यादव खचाखच भरे प्रेस रूम में पहुंचे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने मैच की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया पर हो रहे शोर से कैसे निपटा, तो उन्होंने कंधे उचका दिए। उन्होंने कहा कि उन्हें "पता नहीं" था कि वहां क्या हो रहा है, और फिर उन्होंने आगे कहा कि दुबई पहुंचने पर टीम ने सोच-समझकर फैसला लिया था: ऐप्स डिलीट कर दो, बाहरी शोर को "70-80 प्रतिशत" तक कम कर दो। अब, भारत-पाकिस्तान के एक और मुकाबले की पूर्व संध्या पर, सूर्यकुमार प्रेस के सामने फिर से थे। वही सवाल फिर से आया, इस बार उन सब बातों की याद दिलाते हुए जो तब से हुई थीं। "अपना कमरा बंद करो, अपना फ़ोन बंद करो और सो जाओ," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। "मुझे लगता है यही सबसे अच्छा है।" फिर उन्होंने समझाया: "देखो, यह कहना आसान है, लेकिन कभी-कभी मुश्किल भी होता है क्योंकि आप बहुत सारे दोस्तों से मिलते हैं, आप डिनर पर जाते हैं और आपके आस-पास बहुत सारे खिलाड़ी भी होते हैं जो ये सब देखना पसंद करते हैं।

"लेकिन मैं सभी खिलाड़ियों के साथ बहुत स्पष्ट रहा हूँ, मुझे लगता है कि अगर आपको इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना है और आगे बढ़ना है, तो यह बहुत ज़रूरी है, हमें बाहर से आने वाले शोर को रोकना होगा और जो आपके लिए अच्छा है उसे अपनाना होगा। मैं यह नहीं कह रहा कि शोर पूरी तरह बंद कर दो, बल्कि जो तुम्हारे लिए अच्छा है उसे अपनाओ और कोई तुम्हें अच्छी सलाह भी दे सकता है जो खेल में तुम्हारी मदद कर सकती है, जो मैदान पर तुम्हारी मदद कर सकती है। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत ज़रूरी है और बाकी मुझे लगता है कि हर कोई एक अच्छी जगह पर अच्छा है।" यह बात बहुत मायने रखती थी। एक बार फिर, भारत-पाकिस्तान मैच की पूर्व संध्या पर, ध्यान क्रिकेट के अलावा हर जगह भटक गया था। सूर्यकुमार के जवाबों ने इसे वापस खींच लिया। उन्होंने कहा कि पिछली रात मैदान पर भारत ने जो अंतर दिखाया था, वही बातचीत का विषय था।

भारत के खिलाफ पिछले मैच के बाद पूरे भारत में जश्न के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने सरलता से कहा: "हम जीत गए, इसलिए वे जश्न मना रहे हैं। मेरा मतलब है, जिस तरह देश हर मैच में हमारा समर्थन करता है, उसी तरह उन्हें इस मैच में भी हमारा समर्थन करना चाहिए। और आज रविवार है, इसलिए मुझे लगता है कि ज़्यादा लोग मैच देखेंगे। "तो आराम से बैठो और खेल का आनंद लो। और जब हम मैदान पर जाएंगे, तो हम उसी तीव्रता और ऊर्जा के साथ खेलने की कोशिश करेंगे। और हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेंगे।" "और हम पूरे मैदान में यही कोशिश करेंगे।"

प्रतिद्वंद्विता का सवाल भी उठा: क्या यह 2000 के दशक जैसा ही था? "उस समय, मुझे नहीं पता। मैंने कभी नहीं खेला। इसलिए मैं नहीं कह सकता," वह हँसे। लेकिन उन्होंने जल्दी से अपनी बात फिर से दोहराई। "हमने तीन मैच खेले हैं। हमें तीनों मैच जीतने में उतना ही मज़ा आया जितना हमें पहला मैच जीतने में आया था। इसलिए मुझे लगता है कि हर मैच एक नई चुनौती है। हम इसे सहजता से लेते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं और पूरा मैच खेलते हैं। हम जीतते हैं और उससे कुछ सीखते हैं और अगले मैच में भी वैसा ही करने की कोशिश करते हैं।" क्या भारत फिर से नहीं करेगा, इस सवाल पर, हाथ मिलाने वाले एपिसोड की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने फिर से क्रिकेट का ज़िक्र किया। "गेंद और बल्ले का अच्छा मुकाबला होता है। साथ ही, अच्छी तीव्रता का मुकाबला भी होता है।

जैसा कि मैंने पिछले सवाल में कहा था, स्टेडियम खचाखच भरा होता है और आपको अपना समर्थन देने के लिए बेहतरीन दर्शक मिलते हैं। और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और खेल का आनंद लेना सबसे अच्छा होता है।" सूर्यकुमार ने अपने अंदाज में, प्रतिद्वंद्वी का ज़िक्र किए बिना ही प्रतिद्वंद्वी, शोर-शराबे और विवादों से जुड़े हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका ध्यान क्रिकेट पर था। यह वही संदेश था जो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच के बाद दिया था: ऐप्स डिलीट कर दो, ध्यान भटकाने वाली चीज़ें म्यूट कर दो, क्रिकेट खेलो। एक साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान सूर्यकुमार ने फिर से डिलीट बटन दबाया और कर्सर को गेम पर ही रखा।

भारत की संभावित प्लेइंग : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती

पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग : साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, अबरार अहमद

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाक ने प्री-मैच प्रेस कॉफ्रेंस रद्द कर दी

दुबई, 20 सितम्बर। पाकिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले सुपर फ़ोर मैच से पहले होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी है। एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, एक पाकिस्तानी खिलाड़ी या कोचिंग स्टाफ के सदस्य को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी थी। टीम को दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में शाम 6 बजे से तीन घंटे तक प्रशिक्षण भी लेना था। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि प्रशिक्षण निर्धारित समय पर ही होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द करने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इतने ही मैचों में यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान ने मैच से पहले मीडिया से बात करने की अपनी पारंपरिक ज़िम्मेदारी रद्द कर दी है। उन्होंने यूएई के खिलाफ़ अपने ज़रूरी मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से इनकार कर दिया था, जबकि मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ हाथ मिलाने का मामला लगातार गरमाता रहा।

इसके बाद, आईसीसी द्वारा पाइक्रॉफ्ट और पाकिस्तान के कोच, कप्तान, मीडिया और टीम मैनेजरों के बीच एक बैठक आयोजित करने के बाद यह विवाद काफी हद तक शांत हो गया, जहां पाइक्रॉफ्ट ने भारत के खिलाफ टॉस के दौरान हुई घटनाओं पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने सलमान अली आगा से कहा था कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाया जाएगा, जिसे पाकिस्तान ने पाइक्रॉफ्ट द्वारा आईसीसी की आचार संहिता का पालन न करने के रूप में समझा और उन्हें टूर्नामेंट से हटाने की मांग की।

ऐसा प्रतीत होता है कि इस बैठक ने पीसीबी को कुछ हद तक शांत कर दिया; उन्होंने इसका एक छोटा वीडियो जारी किया, जिसमें कोई ऑडियो नहीं था, और एक बयान में कहा कि पाइक्रॉफ्ट ने माफ़ी मांग ली है। बदले में, ऐसा प्रतीत होता है कि इससे आईसीसी नाराज हो गया, जिसने उस वीडियो की रिकॉर्डिंग और उसके सार्वजनिक वितरण पर आपत्ति जताते हुए पीसीबी को कड़े शब्दों में एक ईमेल लिखा, जिसमें कहा गया कि बोर्ड ने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) में बिना सहमति के वीडियो बनाकर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है कि पीसीबी ने उस ईमेल का जवाब दिया या नहीं।

भारत शनिवार को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करेगा। जैसा कि एक दिन के अंतराल के बाद अगला मैच खेलने वाली टीमों के लिए प्रथागत है, उन्होंने शुक्रवार रात ओमान के खिलाफ मैच समाप्त होने के बाद, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले एक प्रतिबंधित प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रविवार को सुपर फ़ोर चरण में दोनों टीमों का पहला मैच होगा।

फिर रेफरी होंगे एंडी, पीसीबी की बौखलाहट!

नई दिल्ली, 20 सितंबर। एंडी पाइक्रॉफ्ट एक बार फिर से एशिया कप में भारत और पाकिस्तान बीच होने वाले सुपर 4 मुकाबले में मैच रेफरी होंगे। एंडी पाइक्रॉफ्ट 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में हाथ मिलाने को लेकर हुए विवाद के केंद्र में थे। भारत के खिलाफ 7 विकेट से मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाइक्रॉफ्ट को तुरंत हटाने की मांग की थी। पाकिस्तान बोर्ड के अनुसार, पाइक्रॉफ्ट ने कप्तान सलमान आगा और सूर्यकुमार यादव से ग्रुप स्टेज मुकाबले के टॉस के दौरान हाथ न मिलाने को कहा था।

श्रीलंका ने दिया बांग्लादेश को 169 रनों का लक्ष्य

दुबई, 20 सितंबर। दसुन शानका (नाबाद 64) और कुसल मेंडिस (35) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका ने शनिवार एशिया कप के पहले सुपर चार मुकाबले में बांग्लादेश को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका पुथुम निसंका और कुसल मेंडिस की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में तस्कीन अहमद ने निसंका 15 गेंदों में 22 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। दूसरे विकेट के रूप में कामिल मिशारा (पांच) और इसके बाद कुसल परेरा 16 रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर में कप्तान चरित असलंका (21) रनआउट हुये।

इसी ओवर की चौथी गेंद पर मुस्तफिजुर रहमान ने कामिंदु मेंडिस (एक) रन को आउट किया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर वानिंदु हसरंगा (दो) भी मुस्तफिजुर रहमान का शिकार बने। श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 168 रन का स्कोर खड़ा किया। दसुन शानका ने 36 गेंदों में पांच छक्के और तीन चौके लगाते हुए (नाबाद 64) रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान को तीन विकेट मिले। मेहदी हसन ने दो विकेट लिये। तस्कीन अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आरसीए अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी आज से

जयपुर, 20 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 21 - 24 सितम्बर 2025 को अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 8 टीमों का चयन राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 प्रतियोगिता
राज, देव, ग्रोवर, राहुल, सोहन, युवराज व दर्शन के शतक

जयपुर, 20 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य अंडर 23 प्रतियोगिता में जयपुर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, सवाई माधोपुर, जोधपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर, कोटा, सीकर, करौली, राजसमंद, बाड़मेर, नागौर जीती। आज राज शर्मा, देव यादव, ओसनिक ग्रोवर, राहुल चौधरी, सोहन जैफ ,युवराज मीणा, दर्शन जैन के शानदार शतक, विशाल गोदारा, नरपत , तनवीर , राहुल , मयंक राज की शानदार गेंदबाजी रही।

टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज अहमदाबाद में छह दिवसीय शिविर लगाएगा

अहमदाबाद, 20 सितम्बर। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले वेस्टइंडीज टीम अहमदाबाद में छह दिवसीय शिविर लगाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) के साथ साझा की गई जानकारी के अनुसार, मेहमान टीम शुरुआती टेस्ट की अपनी अंतिम तैयारी शुरू करने से पहले 24 से 29 सितंबर तक अहमदाबाद में प्रशिक्षण लेगी। पहला टेस्ट 2 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होने वाला है।

सीडब्ल्यूआई के सीईओ क्रिस्ट डेहरिंग ने शनिवार को क्रिकबज को बताया, "हमारी टीम से हमें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है, खासकर एक बेहद रोमांचक तेज गेंदबाजी आक्रमण से। हम 24 सितंबर से पहले टेस्ट तक वहीं रहेंगे।"

हाल ही में घोषित टीम में दो विशेषज्ञ स्पिनर शामिल हैं - उप-कप्तान जोमेल वारिकन और नए खिलाड़ी खैरी पियर, दोनों ही बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। इसके अलावा, कप्तान रोस्टन चेज अंशकालिक ऑफ-स्पिन भी प्रदान करते हैं। हालाँकि, तेज गेंदबाजी वेस्टइंडीज की मुख्य ताकत बनी हुई है, जिसमें अल्ज़ारी जोसेफ, शमर जोसेफ और एंडरसन फिलिप्स से स्पिन के अनुकूल पिचों पर भी आक्रमण की अगुवाई करने की उम्मीद है।

इस बीच, भारतीय टीम 29 सितंबर को अहमदाबाद में एकत्रित होगी। कप्तान शुभमन गिल सहित कुछ खिलाड़ियों के दुबई से सीधे आने की उम्मीद है - अगर भारत एशिया कप फाइनल में पहुँचता है - जबकि अन्य खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से आएंगे, जहाँ वे प्रशिक्षण ले रहे होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता अगले सप्ताह की शुरुआत में टीम की घोषणा कर सकते हैं।

वर्तमान चयन समिति टेस्ट टीम का चयन करेगी, जो इसके कुछ सदस्यों की आखिरी बैठक होगी। हाल ही में हुए साक्षात्कारों के बाद, दो चयनकर्ता पैनल में शामिल होंगे जबकि दो अन्य चयनकर्ताओं का स्थान लेंगे। समझा जाता है कि प्रज्ञान ओझा और आरपी सिंह नए सदस्य होंगे, जबकि एस शरत के अजीत अगरकर की अगुवाई वाली समिति से हटने की संभावना है। पैनल से बाहर होने वाले दूसरे सदस्य का नाम अभी स्पष्ट नहीं है।

चोटिल नेमार अभ्यास से बाहर

रियो डी जेनेरियो, 20 सितंबर। ब्राजील के फुटबॉल क्लब सैंटोस ने बताया है कि फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे फॉरवर्ड नेमार जांघ की चोट के कारण अभ्यास से बाहर हो गये हैं। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर 33 वर्षीय नेमार गुरुवार को दाहिनी जांघ में दर्द के कारण अभ्यास से बाहर हो गए। बाद में हुई जांच में रेक्टस फेमोरिस मांसपेशी में चोट की पुष्टि हुई। क्लब ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, नेमार जूनियर ने सैंटोस एफसी के चिकित्सा विभाग के मार्गदर्शन में इलाज शुरू कर दिया है। हालांकि उनकी वापसी की कोई समय सीमा नहीं बताई गई। अक्टूबर 2023 में घुटने में गंभीर चोट लगने के बाद से नेमार ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें हाल की टीमों से बाहर रखा है और कहा है कि खिलाड़ियों को विश्व कप 2026 के लिए चुने जाने के लिए पूरी तरह से फिट होना होगा। पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड ने इस सीजन में 13 लीग मैच खेले हैं और तीन गोल किए हैं। 22 मैचों के बाद सैंटोस एक अंक से रेलीगेशन जोन से ऊपर है।

भारत की अंडर-17 टीम भूटान को हराकर सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली/कोलंबो, 20 सितंबर। भारत की अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने अपने दूसरे ग्रुप बी मैच में भूटान को 1-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ, भारत के दो मैचों में छह अंक हो गए हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अपने बयान में कहा, भारत अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने शुक्रवार को कोलंबो के रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में अपने दूसरे ग्रुप बी मैच में भूटान को 1-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एआईएफएफ ने कहा है कि भारतीय टीम अब सोमवार को पाकिस्तान के साथ खेलेगी। इस मैच का विजेता ग्रुप बी में शीर्ष पर रहेगा। मैच का विजयी गोल दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी रहान अहमद के रूप में आया। महासंघ ने कहा, दूसरे हाफ में शामिल किए गए सुपर-सब रहान अहमद ने 57वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल दागा और भारत को 1-0 से मामूली अंतर से जीत दिलाई।

रोमांचक फाइनल में शिल्डर ने जैक्सन को हराकर स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो, 20 सितंबर। नीदरलैंड की जेसिका शिल्डर ने शनिवार को यहां 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। 26 वर्षीय शिल्डर ने अपने अंतिम प्रयास में 20.29 मीटर का अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर जीत हासिल की, और गत चैंपियन संयुक्त राज्य अमेरिका की चेस जैक्सन, जिन्होंने 20.21 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक जीता, को कड़ी टक्कर दी। न्यूजीलैंड की मैडिसन-ली वेश ने दबाव में अद्भुत संयम दिखाते हुए 20.06 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। चीन की अनुभवी गोंग लिजियाओ, जो अपनी नौवीं विश्व चैंपियनशिप खेल रही थीं, 18.96 मीटर के साथ नौवें स्थान पर रहीं।

विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम के समर्थन में आगे आये अक्षय

मुंबई, 20 सितम्बर। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 भारत के लिए, जैसे-जैसे उत्साह बढ़ रहा है, बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने महिला टीम के समर्थन में देश को एकजुट करने के लिए अपनी आवाज उठाई है। अभिनेता ने जियोस्टार के साथ एक वीडियो में प्रशंसकों से महिला क्रिकेट के लिए भी उतना ही जुनून और समर्थन दिखाने का आग्रह किया जितना वे पुरुष क्रिकेट टीम के लिए करते हैं।

महिला टीम का समर्थन करने के महत्व पर बात करते हुए, अक्षय कुमार ने 2017 विश्व कप फाइनल देखने के अपने अनुभव को याद किया और अपनी भावनाएँ साझा कीं। उन्होंने कहा, "मुझे आज भी 2017 विश्व कप फाइनल याद है। मैं स्कॉटलैंड से ट्रेन पकड़कर फाइनल देखने स्टेडियम गया था। तभी मैंने हमारी महिला क्रिकेट टीम का जुनून देखा। मैं क्यों गया था? क्योंकि तभी मुझे समझ आया कि क्रिकेट में कोई जेंडर नहीं होता। सिर्फ़ एक जर्सी, एक जुनून और एक टीम होती है। टीम इंडिया। हम आमतौर पर पुरुष टीम का उत्साहवर्धन करते हैं। लेकिन असली समर्थन तब मिलेगा जब हम अपनी महिला टीम का भी उतना ही उत्साहवर्धन करेंगे जितना हम पुरुष टीम का करते हैं।"

अक्षय ने कहा कि असली प्रशंसक वह होता है जो हर खिलाड़ी के साथ खड़ा होता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यही असली नीले रंग की निशानी है। जर्सी वही, जज्बा वही! वीडियो में, अक्षय भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की 18 नंबर की जर्सी पकड़े हुए भी दिखाई दे रहे हैं, जो इस बात को पुख्ता करता है कि चाहे विराट कोहली हों या स्मृति मंधाना, जर्सी एक ही रहती है।

मेफेयर पोलो और ऑल स्टार पोलो टीमें जीती

जयपुर, 20 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम और मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने अरावली पोलो टीम को 5 के मुकाबले 8 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 1, दीप सिंह ओर कुलदीप सिंह ने 2- 2 गोल किए। मेफेयर पोलो टीम की ओर से सबीर मेहराज ने 2 गोल किए वहीं बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 6 गोल कर जीत पक्की कर दी। रामबाग पोलो ग्राउंड पर दूसरा मैच ऑल स्टार पोलो टीम और जयपुर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने जयपुर पोलो टीम को 10 के मुकाबले 11 गोल से हराया। जयपुर पोलो टीम की ओर से महाराज पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल और लांस वाटसन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 7 गोल करके भी टीम को जीता नहीं सके। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से अशोक चांदना ने 2, मतिहास ने 3 और ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 6 गोल कर टीम को जीताया।

अंतिम रेड पर नीरज को लपक पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी का विजय रथ रोका

जयपुर, 20 सितंबर। दबंग दिल्ली केसी का लगातार छह मैचों से चला आ रहा विजय रथ आखिरकार रुक गया है। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 43वें मुकाबले में शनिवार को तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेड में नीरज नरवाल को लपक 33-30 के अंतर से मैच जीत लिया। दिल्ली को पहली हार मिली जबकि पटना को सात मैचों में दूसरी जीत मिली।

सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आज को खेले गए मुकाबले में एक समय 12 अंक से पीछे चल रही पटना की जीत में अंकित (12) का अहम योगदान रहा। उन्होंने मैच में पटना की वापसी कराई और फिर स्कोर बराबर भी किया। दिल्ली के लिए आशु मलिक ने 6 अंक लिए, जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाए।

पटना के लिए कप्तान अंकित ने डिफेंस में 6 अंक जुटाए। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन सुधाकर ने पटना का शिकार कर फासला दो का कर दिया। फिर अजिंक्य को लपक अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सौरव ने मिलन को लपका तो अयान ने डिफेंस में हाथ साफ करते हुए नीरज का शिकार कर स्कोर 4-6 कर दिया। इस बीच दिल्ली ने अयान को लपक और फिर अजिंक्य ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-4 कर दिया।

अगली रेड पर नीरज ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर नीरज ने ही पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर सुरजीत ने हाफटाइम से ठीक पहले आलआउट लेते हुए दिल्ली को 19-10 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद दिल्ली ने लगातार दो अंक लेकर पकड़ मजबूत की। इस बीच सौरव ने अयान को लपक स्कोर 22-11 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर लिया लेकिन अजिंक्य ने मिलन को आउट कर हिसाब बराबर किया।

दिल्ली का डिफेंस अयान को नहीं चलने दे रहा था लेकिन डिफेंस ने हाथ खोल दिए थे। नवदीप ने अजिंक्य को लपक लिया। पिछली रेड पर नीरज को आउट करने वाले अंकित ने अगली दो रेड पर सुरजीत और फजल को आउट कर स्कोर 16-25 कर दिया। फिर डिफेंस ने नीरज को लपक दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। अंकित ने इसके बाद डू ओर डाई रेड पर संदीप का शिकार कर दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला।

अंकित ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ दिल्ली को आलआउट कर स्कोर 22-26 कर दिया। आलइन के बाद आशु ने नवदीप को बाहर किया। इस बीच अंकित ने बोनस लिया और फिर आशु ने दो अंक की रेड के साथ स्कोर 29-23 कर दिया। फिर अंकित के बोनस के बाद पटना के डिफेंस ने अजिंक्य को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर अंकित ने सौरव का शिकार कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए। एक सेकेंड बचा था और दिल्ली के लिए अंतिम खिलाड़ी के तौर पर नीरज रेड पर गए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने दिल्ली की जीत का सिलसिला तोड़ दिया।

सलमा खातून बांग्लादेश महिला चयन पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला बनी

ढाका, 20 सितम्बर। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रीय टीम की कप्तान सलमा खातून को महिला चयन पैनल में शामिल किया है। सलमा देश की पहली महिला क्रिकेटर हैं जिन्हें चयन पैनल में नियुक्त किया गया है। इस पैनल में वर्तमान में सज्जाद अहमद (महिला चयन पैनल के प्रमुख) और सोजोल चौधरी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से आयु वर्ग की टीमों के साथ काम करते हैं। बीसीबी की मीडिया समिति के अध्यक्ष इफ्तिखार रहमान मिटू ने शनिवार को कहा, "हमारी एक छोटी सी बैठक हुई जिसमें हमने चार-पाँच अहम फ़ैसले लिए। उनमें से एक फ़ैसला हमारी महिला राष्ट्रीय टीम की पहली महिला चयनकर्ता के रूप में सलमा खातून की नियुक्ति का था। वह शिपोन के साथ काम करेंगी, जो वर्तमान में महिला टीम की मुख्य चयनकर्ता हैं।"

"आप सभी जानते हैं कि सलमा को 2014-15 में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और शीर्ष ऑलराउंडर चुना गया था। उन्होंने 2008 से 2015 तक बांग्लादेश की कप्तानी की और देश में महिला क्रिकेट का एक स्तंभ रही हैं। मुझे लगता है कि यह हमारे अध्यक्ष का एक क्रांतिकारी फ़ैसला है, क्योंकि सलमा जैसी किसी व्यक्ति के शामिल होने से महिला क्रिकेट को काफ़ी समर्थन मिलेगा।

सात्विक-चिराग चाइना मास्टर्स के फाइनल में

निंगबो, 20 सितम्बर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 में शानदार प्रदर्शन के साथ सीजन के अपने दूसरे फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने दुनिया की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को 41 मिनट में सीधे गेमों में 21-17, 21-14 से हराकर शानदार जीत हासिल की। शुरुआती गेम में शुरुआत में स्कोर 7-7 से काफ़ी कड़ा रहा, लेकिन इसके बाद सोह-चिया ने बढ़त बनाते हुए स्कोर 10-7 कर दिया। हालाँकि, इसके बाद सात्विक और चिराग ने लगातार तीन अंक हासिल कर स्कोर 10-10 कर दिया, लेकिन चिराग की सर्विस में हुई एक गलती ने मध्यांतर तक मलेशियाई टीम को एक अंक की मामूली बढ़त दिला दी। सात्विक और चिराग ने मध्यांतर के बाद पहले गेम में दबदबा बनाए रखा। तब से उन्होंने 17 में से 11 अंक जीते हैं, और उन्होंने पहला गेम 4 अंकों से, 21-17 से जीत लिया है। उस अंतराल के बाद से उन्होंने नेट पर सपाट आदान-प्रदान में दबदबा बनाए रखा है। सात्विक-चिराग ने दूसरे गेम में उन्होंने 8-2 की बढ़त बना ली। हालांकि सोह और चिया ने उन्हें थोड़ा पीछे धकेला, सात्विक की आक्रामकता ने भारतीयों की बढ़त को काफ़ी मजबूत बनाए रखा है।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को 43 रन से हराया और सीरीज भी जीती

नई दिल्ली, 20 सितंबर। बेथ मूनी (138) की शतकीय, जॉर्जिया वॉल (81) और एलिस पेरी (68) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शनिवार को तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 43 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

413 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में प्रतिका रावल (10) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में मेगन शूट ने हरलीन (11) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ 121 रन जोड़े। किम गार्थ ने 21वें ओवर में हरमनप्रीत 35 गेंदों में 52 रन को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में ग्रेस हैरिस ने शतकवीर स्मृति मंधाना को आउटकर भारत को बड़ा झटका दिया। स्मृति मंधाना ने 63 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 125 रनों की पारी खेली।

बहला फुसला कर धर्मान्तरण कराने वालों पर कठोर कार्यवाही होगी - भजनलाल

बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित सभास्थल के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने जनसभा की

बांसवाड़ा, (निसं), 20 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहर के कुशलबाग मैदान में शहरी सेवा शिविर के अवलोकन के दौरान आमजन को संबोधित किया। भजनलाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने धर्मान्तरण विधेयक पारित कर दिया है, जिससे बहला फुसलाकर धर्मान्तरण कराने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जा सके। इससे पूर्व शर्मा ने शिविर में

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टीबी मरीजों को किट बांटे, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधी योजना व मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक सौंपे तथा मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी दी।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग मैदान में "शहरी सेवा" शिविर को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थियों से संवाद किया और विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी भी ली।

लगी स्टालों का अवलोकन किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं, जिनसे बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित संपूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास की योजनाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं और उनका जीवन स्तर भी बेहतर बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत, शिविरों में माताओं-बहनों की ब्लडप्रेशर, डायबिटीज और कैंसर सहित एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट वितरित की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक भी सौंपे। साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री, स्टॉलों के अवलोकन के दौरान, जब अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे तो हाथों-हाथ लोगों ने फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करते हुए मुख्यमंत्री से वार्ता के लिये बधाईयां दी। पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत ने अपने उद्बोधन की शुरूआत में धर्मान्तरण विधेयक के लिये मुख्यमंत्री का आभार जताया वहीं उन्होंने नीमच-प्रतापगढ़ हाईवे को बांसवाड़ा होते हुए दाहोद से जोड़ने, शहीदी मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिलवाने, दानपुर क्षेत्र को सिंचित करने के लिये लिफ्ट योजनाएं बनवाने एवं स्थानीय लोगों को प्रशासनिक सेवाओं में अवसर दिलवाने के लिये कोटे में कोटा को लागू करवाने का आग्रह किया।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने के लिए कदम उठाए। वहीं, मुख्य सचिव भी एक्ट के प्रावधानुसार हर जिला स्तर पर प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त करें। यह अधिकारी कलेक्टर या अपर कलेक्टर स्तर के हो सकते हैं। यह अफसर एक्ट की धारा 6 के प्रावधानों को लागू कराएंगे। खंडपीठ ने कहा कि हर जिले में उठाए गए कदमों की पालना रिपोर्ट आगामी सुनवाई 12 नवंबर से पहले अदालत में पेश की जाए। इसके अलावा, केन्द्र सरकार के अधिवक्ता भी एक रिपोर्ट पेश कर बताएंगे कि उन्होंने क्या कदम उठाए और कितनी वेबसाइटों को ब्लॉक किया है। सुनवाई के दौरान एडि. एसपी सीमा भारती ने कहा कि ई-सिगरेट को जब्त करने के लिए कुछ कदम उठाए गये हैं और केन्द्र सरकार की ओर से भी वेबसाइटों को ब्लॉक किया जा रहा है। इस पर खंडपीठ ने कहा कि ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। पीआईएल में ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाए जाने और एक्ट 2019 के प्रावधानों को लागू करने की गुहार की गई है।

समुद्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजीनियरिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि 4.8 किलोमीटर लंबे सुरंग खंड पर हासिल की गई है। इससे जुड़े इंजीनियरों के अनुसार घनसोली और शिलफाटा की ओर से एक साथ खुदाई का काम शुरु किया गया और दोनों तरफ से पानी के नीचे के हिस्से के भू भाग पर सुरंग का चुनौतीपूर्ण निर्माण किया जिसमें भारतीय इंजीनियरिंग को आज सफलता मिली है। रेलवे ने इस सफलता को ऐतिहासिक बताया और कहा कि भारत में समुद्र के नीचे सुरंग का यह पहला निर्माण है जो खाड़ी के अवरोध को तोड़कर मुंबई और ठाणे को जोड़ेगी।

'मुस्लिम अगर खर्च नहीं उठा सकते तो ज्यादा शादियां भी नहीं कर सकते'

केरल हाई कोर्ट ने एक मुस्लिम महिला की भरण पोषण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की

तिरुअनंतपुरम, 20 सितंबर। केरल हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है तो उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का कोई हक नहीं है, यहां तक कि, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी।

कोर्ट ने ये टिप्पणी 39 साल की महिला की याचिका पर सुनवाई को दौरान की, जब उसने कोर्ट में अपने पति से 10 हजार रुपए मासिक गुजारा भत्ता मांगने के लिए याचिका दायर की, जो कि भीख मांगकर गुजारा करता है। महिला ने आरोप लगाया कि उसका 46 वर्षीय नेत्रहीन पति, जो भीख मांगकर अपना जीवन यापन करता है, उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है और अब तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।

कोर्ट ने कहा कि यह सच है कि प्रतिवादी मुस्लिम समुदाय से है और वह अपने पारंपरिक कानून का लाभ उठा रहा है, जो, उसके अनुसार, उसे दो या तीन बार शादी करने की अनुमति देता है। जो व्यक्ति दूसरी या तीसरी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, वह मुसलमानों के पारंपरिक कानून के अनुसार भी दोबारा शादी नहीं कर सकता।

- **महिला का पति नेत्रहीन है और भीख मांगता है उसने दो शादियां कर रखी हैं और तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।**
- **कोर्ट ने कुरान की आयतों का हवाला दिया कि कोई व्यक्ति अगर अपनी एक से ज्यादा पत्नियों के साथ न्याय कर सकता है तभी एक से ज्यादा शादियां कर सकता है।**

अदालत ने आगे कहा कि उस व्यक्ति की लगातार शादियां, जब वह केवल एक भिखारी था, मुस्लिम प्रथागत कानून के तहत भी स्वीकार नहीं की जा सकतीं।

अदालत ने कहा, "मुस्लिम समुदाय में इस तरह की शादियां शिक्षा की कमी और मुसलमानों के प्रथागत कानून की जानकारी के अभाव के कारण होती हैं। कोई भी अदालत किसी मुस्लिम व्यक्ति की पहली, दूसरी या तीसरी शादी को तब मान्यता नहीं दे सकती, जब वह अपनी पत्नियों का भरण-पोषण करने में असमर्थ हो और उसकी पत्नियों में से एक ने भरण-पोषण की मांग वाली याचिका दायर की हो।" कुरान की आयतों का हवाला देते हुए, अदालत ने कहा कि यह पवित्र ग्रंथ एक विवाह प्रथा का प्रचार करता है और बहुविवाह को केवल एक अपवाद मानता है। अदालत ने कहा, "अगर कोई मुस्लिम पुरुष अपनी पहली पत्नी, दूसरी पत्नी, तीसरी पत्नी और चौथी पत्नी को न्याय दे सकता है, तो एक से ज्यादा बार शादी करना जायज़ है।"

सुनवाई के दौरान, कोर्ट की अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, अधिकांश मुसलमान एक पत्नी व्रत का पालन करते हैं, जो कुरान की सच्ची भावना को दर्शाता है, जबकि केवल एक छोटा तबका ही बहुविवाह करता है, और कुरान की आयतों को भूल जाता है। अदालत ने कहा कि उन्हें धार्मिक नेताओं और समाज द्वारा शिक्षित किया जाना चाहिए।

अदालत ने निर्देश दिया कि उचित कार्रवाई के लिए उसके आदेश की एक प्रति समाज कल्याण विभाग के सचिव को दी जाए। "विभाग को प्रतिवादी को परामर्श प्रदान करना चाहिए, जिसमें धार्मिक नेताओं सहित, सक्षम परामर्शदाताओं की सहायता ली जाए।"

ट्रंप का एच-1बी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्ययनों द्वारा असमर्थित लगेगा, तो इसे रद्द किया जा सकता है। साथ ही, कांग्रेस भी यह दावा कर सकती है कि इतनी व्यापक नीति में बदलाव कार्यपालिका की शक्तियों के दायरे से बाहर है। व्यवसाय जगत ने इस निर्णय को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। तकनीकी दिग्गज और विदेशी इंजीनियरों पर निर्भर अमेरिकी कंपनियाँ चेतावनी दे रही हैं कि यह कदम नवाचार को बाधित करेगा, संचालन को विदेशों में ले जाएगा और अमेरिका की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त को कमज़ोर करेगा।

भारत, जो एच-1बी वीज़ा धारकों का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखता है, इस निर्णय से सबसे अधिक प्रभावित होगा। भारत के आईटी सेवा और आउटसोर्सिंग क्षेत्र को अब भारी लागत का सामना करना पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। अतीत में, वीज़ा शुल्क में कोई भी बदलाव हमेशा दस्तावेज़ी प्रशासनिक खर्चों से जुड़ा रहा है, न कि किसी दंडात्मक मूल्य निर्धारण से। जब तक ट्रंप प्रशासन विश्वसनीय तरीके से यह साबित नहीं करता कि यह 100,000 डॉलर शुल्क वास्तव में वीज़ा आवेदन की जाँच की लागत को दर्शाता है, तब तक अदालतों द्वारा इसे अधिकारों का दुरुपयोग माने जाने की संभावना है।

फिलहाल, इस घोषणा से अमेरिकी आव्रजन नीति (इमिग्रेशन पॉलिसी) में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। अमेरिकी कंपनियों और हजारों उन विदेशी पेशेवरों के लिए, जो एच-1बी कार्यक्रम को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में प्रवेश का मार्ग मानते हैं, यह एक बड़ा झटका है।

चपरासी भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

झाझरिया (25) निवासी खंडेला जिला सीकर है और जो मुरलीपुरा जयपुर इलाके की आईएएस कॉलोनी में परिवार के साथ रहता है। उसने बीटेक (इंजीनियरिंग) कर रखी है। राजस्थान चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा में उसका अशोक नगर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में परीक्षा सेंटर आया था। वह तमाम सुरक्षा इंतजाम को चकमा देकर सेंटर के भीतर डिवाइस ले जाने में कामयाब रहा।

थानाधिकारी ने बताया कि पहली पारी में परीक्षा देने पहुंचा आरोपी रवि अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छिपाकर ले गया। परीक्षा के दौरान सुबह करीब 10:30 बजे उसने स्मार्ट वॉच के कैमरे से प्रश्न पत्र की फोटो खींचकर वॉट्सऐप के जरिए सेंटर से बाहर भेजी। उसकी संदिग्ध हरकतों को देखकर परीक्षा हॉल में मौजूद केन्द्र अधीक्षक को शक हुआ। बार-बार पूछने के बावजूद, अभ्यर्थी किसी भी डिवाइस के होने से इनकार करता रहा। लेकिन जब केन्द्र पर मौजूद पुलिस और केन्द्र अधीक्षक ने पूछताछ की तो आरोपी घबरा गया। इसके बाद जब अभ्यर्थी रवि कुमार झाझड़िया की तलाशी ली गई तो अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच मिली। शुरुआती पूछताछ में अभ्यर्थी का कहना है कि उसने सोचा कि गूगल पर कठिन सवाल डालकर, उसके उत्तर हासिल कर लेगा। लेकिन उसे इसका मौका नहीं मिला। जांच में साफ हो गया कि उसने प्रश्नपत्र बाहर भेजा है। पुलिस ने आरोपी रवि को तुरंत राउंड-अप कर स्मार्टवॉच और वाट्सएप पर भेजे पेपर के बारे में पता कर उसके घर पर मिले मोबाइल को भी जब्त कर किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई और साथ ही उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया जाएगा।

'विश्व में हमारा एक ही शत्रु है, वह है दूसरे देशों पर निर्भरता'

प्रधानमंत्री मोदी ने भावनगर में एक सभा में कांग्रेस सरकारों पर आरोप लगाया कि वो आज़ादी के बाद देश की औद्योगिक व व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ा नहीं पाईं

नई दिल्ली, 20 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया और 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम मोदी एक जनसभा को संबोधित किया और कहा, भारत आज विश्वबंधुत्व की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है, दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता...। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा।

जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता... उतनी ज्यादा देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए... दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। 140 करोड़ देशवासियों के भविष्य को हम दूसरों पर या उनकी निर्भरता पर नहीं छोड़ सकते। भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है। सौ दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत, इसलिए हमें चुनौतियों से टकराना होगा और भारत को आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने खड़ा होना होगा।

- **प्र.मंत्री ने कहा, पहले तो कांग्रेस सरकारों ने लाइसैंस राज में उलझाया, जिसने देश को दशकों तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार से दूर कर दिया और फिर उदारीकरण के दौर में आयात पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता रखी गई।**
- **प्रधानमंत्री ने कहा, दूसरों पर निर्भर रहने से आत्म सम्मान आहत होता है। सौ दुःखों की एक दवा है, आत्म निर्भरता।**

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आज़ादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा, दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा... इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए- चिप हो या शिप..., हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र में भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। इसी सोच के साथ वन नेशन, वन डॉक्यूमेंट और वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस लागू किया जाना है। भारत को सबसे बड़ी समुद्री शक्ति बनाने के लिए तीन बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है और आने वाले वर्षों में इस पर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय हुआ है... अब सरकार ने बड़े जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में मान्यता दे दी है।

अलविदा मिग-21, 26 सितम्बर को होगी विदाई

नयी दिल्ली, 20 सितम्बर। छह दशक से भी लंबे समय तक भारत की हवाई सीमाओं के प्रहरी रहे और 1965 की लड़ाई से लेकर अभी तक के सभी छोटे-बड़े सैन्य अभियानों में शौर्य और पराक्रम की गाथा लिखने वाले मिग-21 यानी मिकोयान-गुरेविच-21 लड़ाकू विमान को आगामी 26 सितम्बर को वायु सेना अलविदा कहने जा रही है। पिछले दशक तक भारतीय वायु सेना की रीढ और उसके लड़ाकू विमान के बेड़े की

- **भारतीय वायुसेना ने एक्स पर जानकारी दी कि चंडीगढ़ एयरबेस से मिग-21 की विदाई होगी**

शान रहा यह विमान सैन्य विमानन के क्षेत्र में शौर्य और पराक्रम की छह दशक से भी लंबी ऐसी विरासत छोड़ जायेगा जिसे भूला पाना नामुमकिन होगा। मिग-21 ने अपनी ताकत, फुर्ती और सटीक हमलों से भारतीय वायु सेना की मारक क्षमता और उसकी शक्ति को नया आयाम दिया।

वायु सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में मिग-21 विमान लड़ाकू विमान को आगामी 26 सितम्बर को अपने बेड़े से विदा करने का ऐलान किया। वायु सेना ने कहा है कि इस लड़ाकू विमान ने अपनी ताकत और पराक्रम से राष्ट्र के गौरव को आसमान तक पहुंचाया।

अभिनेता मोहनलाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शनिवार को बताया कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर मोहनलाल को यह पुरस्कार दिया जायेगा। उन्हें यह सम्मान मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जायेगा। मोहनलाल ने अपने साढ़े चार दशक के सिने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। वह सिर्फ मलयालम ही नहीं बल्कि तमिल, तेलुगू और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का जादू बिखेर चुके हैं। उन्हें पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्म भूषण जैसे सम्मानों से भी नवाजा गया है। भारतीय सेना भी उन्हें ऑनरेरी लेफ्टिनेंट कर्नल का पद देकर सम्मानित कर चुकी है, जो किसी भी अभिनेता के लिए गौरव की बात है।

मोहनलाल ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1980 में फिल्म मंजिल विरिंजा पूक्कल से की थी। यह फिल्म भले ही एक रोमांटिक ड्रामा थी, लेकिन मोहनलाल ने इसमें विलेन की भूमिका निभायी थी। उनके अभिनय को इस कदर सराहा गया कि उन्हें लगातार निगेटिव रोल मिलने लगे, लेकिन एक सच्चा कलाकार कभी एक ही फ्रेम में नहीं बंधता।कुछ सालों के भीतर उन्होंने अपने किरदारों की विविधता दिखाते हुए कॉमेडी, ड्रामा और एक्शन जैसी शैलियों में खुद को साबित किया।

ईडी को मो. सादिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संदिग्ध है। हालांकि, उसके पास कोई वैध और पर्याप्त व्यक्तिगत आय नहीं पाई गई, फिर भी उसने पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश, ईरान, ओमान, नेपाल, कतर आदि कई देशों की कई बार यात्राएं कीं और इन देशों में लंबे समय तक रहा। तलाशी के दौरान बांग्लादेश में एक एनजीओ को वित्तीय सहायता देने के साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। ईडी के अधिकारियों ने बताया है कि 3 जनवरी 2022 को कोटगेट थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। ईडी को सादिक के खिलाफ डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी और भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने में सादिक की संलिप्तता पाई गई है। इसमें इज़रायली झंडे को जलाने के वीडियो भी शामिल हैं। इसके पीछे उसका उद्देश्य सहानुभूति प्राप्त कर अवैध गतिविधियों के लिए धन जुटाना था।

जयपुर सेंट्रल जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिफ्ट में इन प्रहरियों की अलग-अलग प्वॉइंट्स पर ड्यूटी थी। परंतु गश्त के दौरान हुई लापरवाही का फायदा उठाकर दोनों कैदी जेल से भाग निकले थे। पुलिस महानिदेशक जेल (डीजी) गोविंद गुप्ता ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जेल विक्रम सिंह को उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जेल विभाग के आला अधिकारी पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पुलिस जानकारी में सामने आया कि बंदी अनस चोरी के अलावा घर में घुसपैठ के तीन मामलों में सजा काट रहा था और वहीं नवल किशोर चोरी के 7 मामलों में आरोपी है। उस पर अन्य कैदियों के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप भी है। यह घटना दिखाती है कि दोनों बदमाशों ने सेंट्रल जेल से भागने की पूरी साजिश पहले से ही रच रखी थी। जेल के अंदर सुरक्षा-बैरिकेड्स और उन पर तैनात जेल प्रहरियों को चकमा देते हुए पानी का पाइप चुराया। इसके बाद इस पाइप की मदद से 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर और हाईटेंशन बिजली के तारों से बच कर निकल भागे।

दिल्ली के कई स्कूलों को फिर बम की धमकी

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह फिर एक बार फिर कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी सुबह करीब साढ़े नौ बजे फोन कॉल्स और संदेशों के माध्यम से मिली, जिसके तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी पाने वाले स्कूलों में डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, सर्वोदय विद्यालय और सर्वोदय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुतुब मीनार (महरौली) शामिल हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि नजफगढ़ इलाके के स्कूलों को भी धमकी की कॉल प्राप्त हुईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड और स्वान दस्ता मौके पर पहुंच गई।

ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स पर सर्विस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर प्रभावित हो सकते हैं।

यह ताज़ा झटका ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए कुल 50 प्रतिशत भेदभावपूर्ण टैरिफ के बाद आया है। डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत का मनमाना "रैसिप्रोकल टैरिफ" लगाया था और बाद में भारत द्वारा रूसी कच्चा तेल और ऊर्जा उत्पादों का निरंतर आयात करने पर 25 प्रतिशत का एक और टैरिफ लगा दिया है।

हालाँकि, डॉनल्ड ट्रंप की हिम्मत नहीं हुई, रूसी कच्चा तेल आयात करने पर चीन पर ऐसा ही टैरिफ लगाने की। वास्तव में, चीन द्वारा रूसी तेल का आयात, भारतीय आयात से कहीं अधिक है।

भारत के प्रति भेदभाव को और स्पष्ट करने के लिए, ट्रंप ने रूसी कच्चे तेल और ऊर्जा उत्पादों के आयात के लिए अपने यूरोपीय सहयोगियों की आलोचना की है, लेकिन उन पर सैकैण्डरी सैंक्शन लगाने का साहस नहीं दिखाया है। इसके बजाय, उन्होंने यूरोपीय देशों से भारत और चीन पर हायर सैकैण्डरी टैरिफ लगाने के लिए जोर डाला है।

असल में ट्रम्प के ऐसे निरंकुश और मनमाने फैसले यह दर्शाते हैं कि ट्रम्प के शासन में अमेरिका के साथ किसी समझौते की उम्मीद करना मूर्खतापूर्ण है और बेहतर है कि समय बीतने का इंतज़ार किया जाए।

लेकिन सबसे पहले, इस नए कदम का सीधा असर उन भारतीय कंपनियों पर पड़ेगा, जिनके पास बड़ी अमेरिकी कंपनियों के साथ कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर से लेकर ऑपरेशनल सेवाओं के बड़े कॉन्ट्रैक्ट हैं। यह सर्वविदित है कि एच-1बी वीज़ा का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भारतीय प्रोफेशनल्स को ही मिलता रहा है, जो अमेरिकी कंपनियों और भारतीय सेवा प्रदाताओं, दोनों के लिए काम करते हैं।

इन नई शर्तों के कारण भारतीय सेवा कंपनियों, मुख्यतः टी.सी.एस., विप्रो, टैक महिन्द्रा, इन्फोसिस और कई अन्य कंपनियों को तुरंत अपने कामकाज को भारत में वापस लाने की ज़रुरत पड़ेगी। इसके अलावा, कई अमेरिकी टैक्नॉलजी दिग्गजों को भी भारत में अपने ऑपरेशन्स को बढ़ाना होगा, जहाँ उनका काम भारत और अन्य देशों के प्रोफैशनल कर रहे हैं।

असल में यह नया नियम अमेरिका को दी जाने वाली भारत की सेवाओं पर सीधा टैक्स है। अब तक इस पर टैक्स लगाने की चर्चा तो होती रही थी, लेकिन सीधे कर नहीं लगाया गया था। अब, जबकि अमेरिका ने अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा कर दिया है तो भारत को भी अमेरिकी सेवाओं के भारतीय आयात पर कर लगाना चाहिए।

अब समय आ गया है कि भारत चुप नहीं बैठे, बल्कि अमेरिका से आने वाले महंगे आयात, जैसे विमान, पर शुल्क लगाए और विमान जैसे बेहद महंगे आयातों को प्रतिद्वंद्वी स्त्रोतों से आयात करने से भी दूर रहे। इस प्रकार, बोइंग विमानों के बजाय, भारतीय एयरलाइन ऑपरेटरों को बोइंग के यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी, यानी एयरबस इंडस्ट्रीज, की ओर रुख करने के लिए कहा जाना चाहिए।

दूसरी ओर, इस कदम को भारत के आईटी क्षेत्र और ज्ञान आधारित गतिविधियों के स्थायी पुनर्गठन के संकेत के रूप में लिया जाना चाहिए। विदेशों में काम करने की कोशिश करने के बजाय, भारतीयों को देश में ही काम करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

अमेरिका में काम करने वाले प्रौफेशनल्स के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों को, देश में इन प्रतिभाओं को आकर्षित करने के एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, उच्च तकनीक और ज्ञान आधारित उद्योगों के लिए जरूरी ढांचा और माहौल देश के अंदर जल्द से जल्द तैयार करना होगा, ताकि ये प्रतिभाएं यहीं काम कर सकें। एक तरह से, यह होना ही है, क्योंकि अमेरिका से विस्थापित पेशेवरों को कुछ फलदायी और संतोषजनक नौकरियों और अवसरों की तलाश करनी होगी। ये लोग भारत में इनोवेशन बेस्ड इण्डस्ट्रीज के विकास और वृद्धि के लिए जरूरी, नई ऊर्जा और जोश लेकर आएंगे।

इस देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्र, जो अब तक अमेरिका जाते रहे हैं, उन्हें अपने जीवन पर पुनर्विचार करना होगा और सोचना होगा कि वे अपनी धरती पर ही अपने करियर को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर, सरकार को इन प्रतिभाशाली युवाओं को अपने देश में ही बेहतर, फलने-फूलने के लिए उपयुक्त वातावरण और सुविधाएँ प्रदान करनी होंगी।

इसका दूसरा असर यह होना चाहिए कि भारत ग्लोबल इनोवेशन हब के रूप में उभरे। वर्ल्ड इन्टलैक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइज़ेशन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा तैयार एक सूचकांक के अनुसार, भारत पहले से ही नवाचार के लिए चिह्नित देशों में से एक है। इसे और आगे बढ़ाने और विकसित करने के लिए, आवश्यक सुविधाएँ और वातावरण तैयार करना होगा।

लेकिन इस नए शुल्क का सबसे बड़ा व्यक्तिगत झटका उन भारतीय कामगारों को लगेगा, जो वर्षों से अमेरिका में काम कर रहे हैं और वहीं बस चुके है, भले ही वे अमेरिकी नागरिक न बने हों। उनकी पूरी जिंदगी उखड़ जाएगी और उन्हें दोबारा अन्यत्र बसना पड़ेगा।

बंगाल में उद्योग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने राज्य के औद्योगिक पुनरुद्धार के लिए की थी। लेकिन तृणमूल कांग्रेस के शासन में भी स्थिति बदली नहीं। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अनुसार, 2011 से 2025 के बीच 6600 कंपनियां, जिनमें से 110 सूचीबद्ध कंपनियां थीं, राज्य छोड़ चुकी हैं।

इस स्थिति को और जटिल बना दिया है कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और अवैध घुसपैठ की बढ़ती समस्या ने। हज़ारों मज़दूर, जो अपनी नौकरियाँ खो चुके हैं, आज सरकारी सहायता पर निर्भर हैं।

ऐसे संकट में सरकार से आक्रामक औद्योगिक प्रोत्साहन नीति की उम्मीद थी, पर उद्योगों को मिला विश्वासघात। आर्थिक सिद्धांत कहता है कि प्रोत्साहन योजनाएं बाजार की विफलताओं के समय आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक होती हैं – विशेष रूप से तब, जब श्रम समस्याएं, सामाजिक अशांति और कानून-व्यवस्था की चुनौतियाँ सामने हों, जैसा कि पश्चिम बंगाल में स्पष्ट रूप से हो रहा है।

केन्स के आर्थिक सिद्धांत के अनुसार, मंदी के समय सरकार को सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए। यही विचारधारा ग्रेट डिप्रेशन के समय कारगर साबित हुई थी और 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट में पुनः सुर्खियों में आई। वर्तमान समय में, जब राज्य की अर्थव्यवस्था पर अंधेरे, बादल मंडरा रहे हैं, तब पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रोत्साहन देने की बजाय, प्रोत्साहन हटा दिए, यह न केवल अजीब निर्णय है, बल्कि आत्मघाती भी।

एक अध्ययन में यह पाया गया कि जिन कंपनियों को सब्सिडी मिली थी, वे 61.3 प्रतिशत अधिक प्रोडक्टिव थीं। इससे यह साबित होता है कि औद्योगिक प्रोत्साहन नीतियाँ वास्तव में दीर्घकालिक लाभ देती हैं। अमेरिका में भी, राज्य और स्थानीय सरकार हर साल 30 बिलियन डॉलर्स व्यवसायिक टैक्स प्रोत्साहनों पर खर्च करती हैं। यह राजकोषीय गुणक की तरह काम करता है, सरकार द्वारा दिए गए एक रुपये से, दो रुपये से अधिक का लाभ होता है।

भारत सरकार भी निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना चला रही है, जिसकी कुल लागत 1.97 लाख करोड़ है। इस योजना के तहत अभी तक 1.76 लाख करोड़ का निवेश साकार हुआ है और बड़े पैमाने की इलेक्ट्रॉनिक्स में विदेशी पूँजी निवेश में 254 प्रतिशत वृद्धि हुई है। जहाँ केन्द्र सरकार विदेशी पूँजी निवेश और औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए आक्रामक प्रयास कर रही है, वहाँ पश्चिम बंगाल सरकार, भारत की विकास यात्रा में बाधाएं खड़ी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908